नई दिल्ली। गुरुवार, 05 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 300/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल पहला वनडेः विराट कोहली का अर्धशतक...
@ विचार प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें...
@ व्यापार शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी...

खबर झरोखा

अग्निवीरों की नौकरी अवधि 4 से 6 साल



नई दिल्ली। अग्निवीर अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75% अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी।

अभी हर बैच के 25% अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75% को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25% अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा।

बाकी 75% को उनकी सहमति से दो साल और नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस दौरान उन्हें बढ़ी हुई सैलरी और भत्ते भी मिलेंगे।

छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

डेमोक्रेट्स की आंधी में उड़े ट्रंप के सियासी किले

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क

अमेरिका के मतदाताओं ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में शानदार प्रदर्शन करते हुए नियंत्रण हासिल कर लिया।

एनबीसी न्यूज के अनुमान के मुताबिक, 435 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट्स को 256 सीटें मिल सकती हैं, जो बहुमत से 81 सीटें ज्यादा हैं। वहीं, 100 सदस्यीय सीनेट में उनके पास कम से कम 54 सीटें हो सकती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने 2024 के चुनाव अभियान के दौरान महंगाई कम करने और लोगों की जिंदगी को ज्यादा सस्ती और आसान बनाने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में लौटने के बाद उनका ध्यान दूसरी बड़ी योजनाओं पर चला गया। उन्होंने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नाम पर टैरिफ बढ़ाने, ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिशों और व्हाइट हाउस तथा वॉशिंगटन को नया रूप देने जैसे मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया। आलोचकों का कहना है कि ये कदम उन वादों से अलग थे



जो उन्होंने जनता से किए थे।

हार की खबरें आने के बीच ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'मैं बैलेट पर नहीं था और अगर होता तो हम भारी बहुमत से जीतते।'

रिपब्लिकन पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ और प्रभाव को इस चुनाव नतीजे ने कमजोर कर दिया है। खास बात यह रही कि पार्टी को उन राज्यों में भी नुकसान हुआ जो लंबे समय से रिपब्लिकनों के गढ़ माने जाते थे, जैसे टेक्सास, कंसास और साउथ कैरोलाइना।

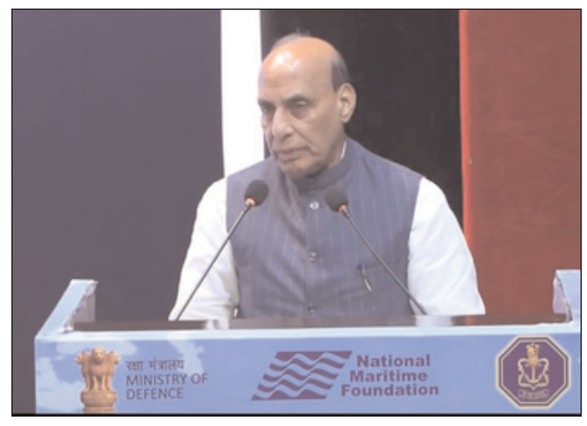
कंसास में एडम हैमिल्टन ने लगभग 95 साल पुराने रिपब्लिकन दबदबे को खत्म करते हुए सीनेट सीट जीती। वह 95 साल बाद वहां से चुने जाने वाले पहले डेमोक्रेट बने। वहीं, हीना हिनोजोसा के टेक्सास की गवर्नर चुने जाने से राज्य में 36 साल पुराना रिपब्लिकन दौर खत्म हो गया। ट्रंप के लिए यह हार इसलिए भी ज्यादा व्यक्तिगत मानी जा रही है, क्योंकि उनके समर्थन वाले कई उम्मीदवार भी चुनाव हार गए। इनमें टेक्सास के केन पैक्सटन शामिल हैं, जिन पर रिश्वतखोरी के आरोप लगे थे और जिन पर महाभियोग भी चला था। इसके अलावा दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की बहन सुसान ग्राहम भी चुनाव हार गईं।

अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप से अलग राय रखने की हिम्मत दिखाएंगे और स्वतंत्र तरीके से काम करेंगे। पहले जो नेता थोड़ी भी स्वतंत्र सोच दिखाते थे, उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ता था। उदाहरण के तौर पर टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन को भी ऐसे हालात का सामना करना पड़ा था।

अब माना जा रहा है कि पार्टी के कुछ नेता ट्रंप की नीतियों, जैसे टैरिफ युद्ध, ईरान से जुड़े विवाद और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनके रिश्तों पर खुलकर सवाल उठा सकते हैं। मंगलवार को मतदान के दौरान दिए गए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा था कि यदि डेमोक्रेट्स कोई कानून लाते हैं तो वह 'मिस्टर वीटो' बनकर उसे रोक देंगे और अंत में उन्हें समझौता करना पड़ेगा।

तकनीक नहीं, भरोसा तय करेगा हिंद-प्रशांत का भविष्यः राजनाथ सिंह

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र का भविष्य केवल तकनीक से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि विभिन्न देश उस तकनीक का इस्तेमाल कितनी समझदारी से करते हैं। किस तरह की साझेदारी बनाते हैं और एक-दूसरे के बीच कितना विश्वास कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस सामूहिक प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है। 'इंडो पैसिफिक रीजनल डायलॉग - 2026' (आईपीआरडी-2026) के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

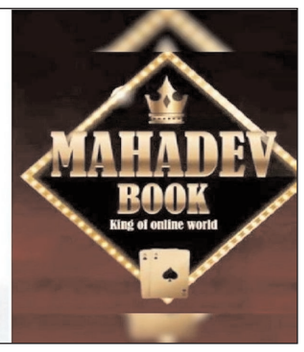
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लिए महासागर कभी दूर या अनजाने क्षेत्र नहीं रहे हैं। सदियों से भारतीय नाविक इन समुद्री रास्तों से होकर गुजरते रहे हैं। वे अपने साथ केवल सामान ही नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और मानवीय संबंधों को भी लेकर चलते थे। यही प्रमुख कारण है कि भारत ने हमेशा स्वतंत्र, खुले और नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में जिम्मेदारी के साथ योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की समुद्री जिम्मेदारियां उसकी राष्ट्रीय तटरेखा तक सीमित नहीं हैं। भारत लगातार एक खुली, समावेशी और नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था का समर्थन करता रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज वैश्विक समुद्री सुरक्षा का माहौल जानबूझकर किए जा रहे व्यापारिक व्यवधानों के कारण दबाव में है। समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता को खुली चुनौती दी जा रही है और संकरे समुद्री रास्तों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। समुद्री क्षेत्र में बढ़ती यह अस्थिरता व्यापक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन रही है। उन्होंने कहा कि हर व्यवधान का जवाब वैश्वीकरण से पीछे हटकर नहीं दिया जा सकता। न ही उन समुद्री क्षेत्रों को बंद करने की कोशिश होनी चाहिए, जिन्होंने मानव प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारा उद्देश्य आपसी निर्भरता को और सुरक्षित बनाना होना चाहिए। इसके लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना जरूरी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत जब 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब समुद्री क्षेत्र राष्ट्रीय बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत की महत्वाकांक्षाएं केवल व्यापार बढ़ाने या नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने तक सीमित नहीं हैं। देश एक व्यापक समुद्री तंत्र विकसित करना चाहता है।

महादेव एप केस में रवि उप्पल यूएई में गिरफ्तारः भारत लाने की तैयारी





एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑनलाइन सट्टेबाजी के सबसे बड़े और बहुचर्चित घोटालों में से एक 'महादेव एप' को लेकर जांच एजेंसियों के हाथ एक और बड़ी कामयाबी लगी है। इस मामले के मुख्य को-प्रमोटर और आरोपी रवि उप्पल को संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके आधार पर यूएई के स्थानीय प्रशासन ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

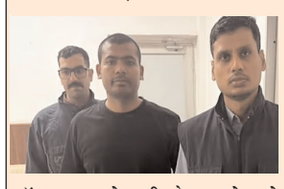
सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद क्यों तेज हुई कार्रवाई?

पिछले दिनों इसी केस से जुड़े एक अन्य सह-संस्थापक और रवि उप्पल के करीबी साथी सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाया गया था। ओमान की एक अदालत से कानूनी मंजूरी मिलने के बाद सीबीआई की एक टीम ने एक नवंबर को उसे अपनी गिरफ्त में लिया और भारत ले आई, जहां मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आरोपी भारत से भागने के बाद से लगातार अपनी लोकेशन और पहचान छिपाने की फिराक में थे, लेकिन एजेंसियों के कड़े शिकंजे ने उनके विदेश में छिपने के सारे रास्ते धीरे-धीरे बंद कर दिए हैं।

वानातू देश का फर्जी पासपोर्ट और छत्तीसगढ़ से क्या है कनेक्शन?

जांच एजेंसियों के हाथ लगे दस्तावेजों और पुख्ता सबूतों के अनुसार, रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर दोनों ने मिलकर दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटे से द्वीप देश 'वानातू' से फर्जी तरीके से पासपोर्ट हासिल कर लिए थे।

सौरभ चंद्राकर 8 दिन की सीबीआई रिमांड पर



ऑनलाइन सट्टेबाजी के सबसे बड़े और बहुचर्चित घोटालों में से एक 'महादेव एप' को लेकर जांच एजेंसियों के हाथ एक और बड़ी कामयाबी लगी है। इस मामले के मुख्य को-प्रमोटर और आरोपी रवि उप्पल को संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में गिरफ्तार कर लिया गया है। भारतीय जांच एजेंसियां अब उसे जल्द से जल्द देश वापस लाने के लिए कानूनी और कूटनीतिक स्तर पर तेजी से काम कर रही हैं। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब इंटरपोल की ओर से उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था, जिसके आधार पर यूएई के स्थानीय प्रशासन ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

पिछले दिनों इसी केस से जुड़े एक अन्य सह-संस्थापक और रवि उप्पल के करीबी साथी सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाया गया था।

दो से ज्यादा बच्चे तो चुनाव से रोकना गलतः सुप्रीम कोर्ट



एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है।

इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण अयोग्य ठहराया गया था। बेंच ने 2003 के उस फैसले पर दोबारा विचार के लिए मामला बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें दो बच्चों की शर्त को सही ठहराया गया था।

कोर्ट बोला- मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करते हैं

बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है।

कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होता है।

महाराष्ट्र में तीसरे बच्चे के कारण महिला को अयोग्य ठहराया गया था

ममंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं। महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1) के तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का प्रावधान है। इसी नियम के तहत तीसरे बच्चे के जन्म के बाद उनके खिलाफ शिकायत की गई थी।

ईरान का भारत को भरोसा होर्मुज में नहीं रुकेगा जहाज



एजेंसी ■ तेहरान

ईरान ने करीब 8 महीने बाद भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की छूट दे दी है। अब भारतीय जहाज इस रास्ते से बिना किसी रोक-टोक के गुजर सकेंगे।

ईरान ने चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी यह छूट दी है। 28 फरवरी से इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही पर पाबंदियां लगी हुई थीं। भारत अपने कुल कच्चे तेल आयात का करीब 40% इसी रास्ते से मंगाता है।

ईरान की न्यूज वेबसाइट ईरानवायर और अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

भारत को दवाओं की सप्लाई के लिए मिली छूट

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने भारत को यह छूट इसलिए दी है, ताकि उसे भारत से दवाएं मिलती रहें। वहीं, चीन को छूट देने के पीछे ईरान की उम्मीद है कि मुश्किल वक्त में बीजिंग उसका राजनीतिक रूप से साथ देगा।

हालांकि, भारतीय और चीनी जहाजों को होर्मुज से गुजरने के लिए पैसे देने होंगे। वहीं, कतर के जहाज बिना कोई शुल्क दिए इस रास्ते से गुजर सकेंगे।

तीर तेवर — सागर कुमार



महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भर बनेगा भारतः पीएम मोदी

2,814 करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय निर्धारित किया गया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कैबिनेट की ओर से 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' को मंजूरी देने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे भारत की अन्य देशों पर निर्भरता कम होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि लिथियम, निकेल, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज ईवी, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी हैं। फिर भी, हम रिफाइन की गई सामग्रियों के आयात पर काफी हद तक निर्भर हैं। मौजूदा स्थिति को समाप्त करने के लिए कैबिनेट ने इस स्कीम को मंजूरी दी है। पोस्ट में आगे कहा कि इस योजना की खासियत नए महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण संयंत्र, निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता, घरेलू स्तर पर अधिक मूल्य संवर्धन और मजबूत सप्लाई चेन है। अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सिद्धांत स्पष्ट है... भारत के पास भविष्य की तकनीकें विकसित करने की



क्षमता होनी चाहिए! कैबिनेट ने पांच वर्षों की अवधि के लिए 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' को मंजूरी दी है।

इस योजना के लिए 2,814 करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय निर्धारित किया गया है।

कैबिनेट के मुताबिक, 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' का उद्देश्य देश में प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना और उन्हें परिचालन में लाने के लिए लक्षित पूंजीगत व्यय सहायता प्रदान करना है। यह योजना भारत में घरेलू प्रसंस्करण क्षमताओं का विकास करने, देश के भीतर मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर केंद्रित है।

इस योजना के अंतर्गत लिथियम और निकिल के अयस्कों और मध्यवर्ती उत्पादों को उच्च शुद्धता वाले यौगिकों में प्रसंस्कृत करने का लक्ष्य रखा गया है। निकिल के उत्पादन के दौरान उप-उत्पाद के रूप में कोबाल्ट प्राप्त होने की उम्मीद है। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस), इलेक्ट्रॉनिकी, रक्षा, विशेष इस्पात आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को मदद मिलेगी।

मैट्स यूनिवर्सिटी ने मनाया 21वां स्थापना दिवस

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन आयोग से ए प्लस ग्रेड प्राप्त मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर ने 3 नवंबर, 2826 मंगलवार एको अपना 21वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित कर्मठ प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया।



21वें स्थापना दिवस का आयोजन यहां पंडरी स्थित मैट्स टॉवर के इंपैक्ट सेंटर में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति गजराज पगारिया ने कहा कि मैट्स यूनिवर्सिटी सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं है बल्कि विश्वविद्यालय परिवार है जहां कार्यरत प्राध्यापकों से लेकर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी सभी मिलकर प्रदेश व देश में उच्च शिक्षा के विकास के लिए निरंतर परिश्रम करते हैं। उन्होंने कहा कि मैट्स विश्वविद्यालय वर्ष 2006 में छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित होने वाला प्रथम निजी विश्वविद्यालय है और वर्तमान में इसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन आयोग से ए प्लस ग्रेड प्राप्त है जो गौरव का विषय है। पगारिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य है गुणवत्ता से परिपूर्ण विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना।

पगारिया ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में अच्छा वातावरण है जो सभी के सहयोग से है। हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हम छत्तीसगढ़ में नम्बर वन हैं और इसका श्रेय विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों को जाता है।

इल अवसर पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. के. पी. यादव ने कहा कि मैट्स विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में अग्रणी रहा है और सदैव अग्रणी रहेगा। हम सदैव समय के साथ चलते रहे हैं और आगे भी चलते रहेंगे, बल्कि समय से आगे चलना आवश्यक है। वर्तमान में हम ए प्लस ग्रेड प्राप्त हैं, भविष्य में हमें ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त होगा, हमें पूर्ण विश्वास है।

इसके पूर्व कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा ने बीते बीस वर्षों की मैट्स विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। पंडा ने विश्वविद्यालय की अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी दी और कहा कि सभी के प्रयासों से विश्वविद्यालय ने उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कुलाधिपति गजराज पगारिया और महानिदेशक प्रियेश पगारिया के कुशल नेतृत्व की सराहना की।

इस दौरान लेखा विभाग के प्रमुख सौरभ सोनी सहित सभी संकायों के विभाग प्रमुखों ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण और कर्मचारी उपस्थित थे। इसके पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा सहित लेखा विभाग प्रमुख सौरभ सोनी, डॉ. वी.पी. रॉय, वाय कृष्णा राव, डॉ. आशीष झा, परमिंदर कौर, डॉ. प्रशांत मुंडेजा, विकास निर्मलकर, दीप्तांशु शर्मा का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा अनावरण एवं भवन का लोकार्पण आज



विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 जयंती के अवसर पर सर्व कुर्मी समाज द्वारा कोसला में निर्मित सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन एवं उनके भव्य प्रतिमा का अनावरण आज किया जाएगा ।

भव्य प्रतिमा अनावरण एवं भवन के लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता धरमलाल कौशिक विधायक बिल्हा,अति विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्यास कश्यप विधायक जांजगीर चांपा,नारायण चंदेल पूर्व नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ शासन एवं अतिथि के रूप में ज्योति किशन कश्यप जिला पंचायत सदस्य, प्रतिभा दीपक कश्यप अध्यक्ष नगर पंचायत राहोद, कांता कश्यप अध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़, शांति घासीराम कश्यप उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़, गया राम चंदेल उपाध्यक्ष नगर पंचायत राहोद होंगे।सर्व कुर्मी समाज क्षेत्र कोसला पामगढ़ द्वारा गुरुवार को दोपहर 1:00 बजे आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सामाजिक बंधुओं एवं आम नागरिकों से अधिक अधिक संख्या में उपस्थित की अपील की है ।

युवक पर एसिड से हमला करने वाली महिला गिरफ्तार

बिना वैध दस्तावेज एसिड बेचने वाला दुकानदार भी पकड़ाया

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। जिले के थाना चांपा क्षेत्र में युवक पर एसिड फेंककर हमला करने के मामले में थाना चांपा पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं, बिना वैध दस्तावेज एसिड बेचने के मामले में दुकानदार मोहम्मद हुसैन बोहरा, उम्र 70 वर्ष, निवासी सदर बाजार, चांपा को भी गिरफ्तार किया गया है।



मामले का विवरण: प्रार्थी ने 28 अक्टूबर 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि महिला से प्रेम संबंध के दौरान विवाद होने पर उसने उसके ऊपर एसिड फेंक दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ, भुजा एवं कलाई में जलने की चोटें आईं। पुलिस ने अपराध क्रमांक 585/26 के तहत धारा 124(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच में सामने आया कि महिला ने शौचालय की सफाई के लिए दुकान से एसिड खरीदा था। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर दुकानदार के विरुद्ध धारा 287 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने दुकानदारों को ज्वलनशील पदार्थों की बिक्री निर्धारित नियमों के अनुसार करने तथा अवैध बिक्री से बचने की सख्त हिदायत दी है।

सराहनीय योगदान: थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार शेण्डे, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सुरेश जट, महिला प्रधान आरक्षक पुष्पलता साहू एवं थाना चांपा पुलिस स्टाफ।

यादव समाज के भवन के उद्घाटन से पहले विवाद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जताई नाराजगी

विश्व केसरी■

खरौद (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत खरौद में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्रांतीय यादव भवन के उद्घाटन समारोह से पहले विवाद सामने आया है। आगामी 5 नवंबर को आयोजित होने वाले भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर नगर पंचायत के वर्तमान जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए आयोजन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नगर में आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के कई लोगों को विश्वास में नहीं लिया गया और न ही उन्हें आयोजन में उचित रूप से आमंत्रित किया गया।

प्राप्त आमंत्रण पत्र के अनुसार 5 नवंबर 2026 को सुबह 11:30 बजे लक्ष्मणेश्वर मंदिर के पास स्थित प्रांतीय यादव भवन में उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं डॉ. चरणदास महंत सहित कई जनप्रतिनिधियों और समाज के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

इस मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव, उपाध्यक्ष महेश्वर यादव, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष वेदराम यादव, भाजपा जिला एनजीओ प्रकोष्ठ संयोजक बसंत यादव, शिवरात्रि यादव, भूपेंद्र यादव, रामसाय यादव सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने आयोजन को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यकाल में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से इस भवन का निर्माण कराया गया था। यह भवन खरौद नगर और आसपास के यादव समाज के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन विडंबना है कि जिस नगर में भवन का निर्माण हुआ, वहीं के जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को उद्घाटन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपेक्षित किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि भवन का विधिवत हैंडओवर नगर पंचायत को अभी तक नहीं हुआ है। इसके बावजूद उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उनका आरोप है कि समाज के कुछ प्रमुख लोगों द्वारा आपसी सहमति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए बिना मनमाने तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

दीपावली की रौनक ने बाजारों में बिखेरी चमक, आकर्षक तोरण और रंगीन लाइटों ने मोहा मन



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। दीपावली पर्व की आहट के साथ ही बाजारों में उत्सव का रंग चढ़ने लगा है। नगर की सड़कों और प्रमुख बाजारों में जगह-जगह सजी दुकानों पर दीपावली की रौनक देखते ही बन रही है। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावटी सामान और पारंपरिक दीपों से सजे बाजार लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है मानो दीपोत्सव की खुशियां बाजारों में पहले ही उतर आई हों।

दुकानों पर आर्टिफिशियल फूलों की आकर्षक मालाएं, रंग-बिरंगे बंदनवार, सुंदर तोरण, डिजाइनर लाइटें, चमचमाती झालरें, मिट्टी के दीये और दीपावली से जुड़े खूबसूरत सजावटी फोटो की भरमार है। घरों के मुख्य द्वार से लेकर पूजा स्थल तक को आकर्षक रूप देने के लिए एक से बढ़कर एक डिजाइन उपलब्ध हैं। आधुनिक सजावट के सामान के साथ पारंपरिक मिट्टी के दीये भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं।

बाजारों में सजी इन दुकानों की रंगीन छटा राह चलते लोगों का ध्यान खींच रही है। कोई घर के दरवाजे के लिए सुंदर तोरण पसंद कर रहा है, तो कोई आर्टिफिशियल फूलों और आकर्षक लाइटों से अपने घर को सजाने की तैयारी में जुटा है। वहीं मिट्टी के दीयों की कतारें दीपावली की पारंपरिक संस्कृति और भारतीय परंपरा की याद दिला रही हैं।

दीपावली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि खुशियों, उमंग और आपसी प्रेम का त्योहार भी है। इसी उत्साह की झलक इन दिनों बाजारों में साफ दिखाई दे रही है। दुकानदारों ने भी ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए सजावटी सामान की आकर्षक वैरायटी सजाई है। कुल मिलाकर दीपावली के आगमन से पहले ही बाजार रोशनी और रंगों के उत्सव में सराबोर नजर आने लगे हैं।

बुआ को गाली दी तो छेनी से मारकर कर दी हत्या

हत्या के 24 घंटे के अंदर दो आरोपियो को लखनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजपुरीकला में शराब पीने के दौरान बुआ को गाली देने के विवाद में पड़ोसी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के रिमांड प्रतिवेदन के अनुसार, शराब के नशे में बुआ को गाली देने से मना करने पर दो भाइयों ने कथित तौर पर अपने ही पड़ोसी के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्रवाई की है।



शराब पीने के दौरान शुरू हुआ विवाद

पुलिस के रिमांड प्रतिवेदन में उल्लेखित जानकारी के अनुसार, 2 नवंबर 2026 की शाम मृतक अंगद राम चौधरी आरोपी धर्मेंद्र चौधरी के घर में धर्मेंद्र चौधरी और मुकेश चौधरी के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान शराब के नशे में धुत अंगद चौधरी के द्वारा धर्मेंद्र की बुआ श्याम बाई को गाली-गलौज की जाने लगी। मृतक अंगद राम द्वारा किए जा रहे गाली गलौज का विरोध करते हुए दोनों को ऐसा करने से मना किया तथा उसे घर छोड़ने चले गए।जहां घर से मृतक आरोपियों के बुआ को गाली गलौज करता रहा।जिसके बाद यह बात दोनों भाइयों को नागवार गुजरा जिसके बाद

विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने मृतक के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान मुकेश चौधरी ने घर में रखी लोहे की छेनी उठाकर अंगद राम के सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से काफी खून बहने लगा। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से चले गए।इस दौरान आरोपियों को मृतक को पकड़ने का प्रयास भी किया लेकिन वह असफल रहा।

सुबह मिली खून से लथपथ लाश

3 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे गांव के रोशन चौधरी ने परिजनों को सूचना दी कि अंगद राम घर के बाहर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा है। उसके सिर में गंभीर चोट थी और कपड़े खून से सने हुए थे। अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या किए जाने की आशंका के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पूछताछ में सामने आई विवाद की कहानी

विवेचना के दौरान संदेही मुकेश चौधरी और धर्मेंद्र चौधरी से अलग-अलग पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे की छैनी भी जप्त किया है ।आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया।

4 नवंबर को दोनों आरोपी गिरफ्तार

लखनपुर पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को 4 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 1:40 बजे मुकेश चौधरी (23 वर्ष), पिता श्याम लाल चौधरी तथा 1:50 बजे धर्मेंद्र चौधरी (26 वर्ष), पिता स्वर्गीय चंदन राम चौधरी को गिरफ्तार किया जहां आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर पूरी बात सामने आई।दोनों आरोपी ग्राम रजपुरीकला, थाना लखनपुर, जिला सरगुजा के निवासी बताए गए हैं।

जनपद पंचायत अध्यक्ष रंजना जांगड़े ने मेहंदी में शेड निर्माण का किया लोकार्पण



विश्व केसरी■

राहौद (नीरज शर्मा)। जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदी के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर में शेड निर्माण कार्य का लोकार्पण एवं भव्य भंडारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। ग्राम मेहंदी स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर में जनपद पंचायत पामगढ़ के 15 वें वित्तीय राशि से अध्यक्ष रंजना मानेश जांगड़े ने शेड निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है।

1 नवंबर उनके जन्मदिवस के अवसर पर नवनिर्मित शेड का विधिवत लोकार्पण एवं भव्य भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम में देवरघटा धाम के बड़े महाराज का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस दौरान जंप अध्यक्ष ने जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े एवं मिठाई भेंट की इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता आनंद मिली, भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े, सरपंच ग्राम पंचायत मेहंदी संतोषी अजगल्ले, सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कार्यालय नगर पंच कुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0)

// ईश्तहार//

Email ID-cmochoora@red-iffmail.com, Phoen No.-07701266120

क्रमांक / 697 न0प0/राजस्व 2026-27 छुरा, दिनांक 30/10/26

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वकील मोहम्मद पिता स्व. श्री जान मोहम्मद निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 552/158 का टुकड़ा मे से रकबा 288.75 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड स्थित भूमि जो कि श्री जान मोहम्मद पिता स्व श्री शेख मोहम्मद निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन का आवेदक द्वारा आपसी बटवारानामा के पश्चात आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
जिला -गरियाबंद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6) -:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36780..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36780
वार्ड का नाम 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 62 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR654H00028** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MO. JANHAGIR** पिता / पति श्री/श्रीमती **s/o mo. Mustak** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MOHAMMAD ARSHAD AYYUB** पिता / पति श्री श्रीमती **MOHAMMAD JAHANGIR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ DEATH CERTIFICATE AND SHAPATH /**वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36733..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36733
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227C00241** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJEEV AGRAWAL S/O DR. P.N. AGRAWAL, SMT.SHAILY AGRAWAL D/O DR. P.N. AGRAWAL** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **मनीष अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **सत्यनारायण अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36728..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36728
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227100017** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURJEET KHURANA** पिता/पति श्री श्रीमती **MURARI LAL KHURANA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती फौकिया युनुस पिता/पति श्री श्रीमती सैय्यद युनुस** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36721..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36721
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227P0169A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SADASHIV RAO TICHKULE S/O LATE DAJIBA RAO TICHKULE, SUDHIR KUMAR TICHKULE, SADASHIV RAO TICHKULE** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती मधु वर्मा पिता / पति श्री श्रीमती गिरवर वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36675..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36675
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227K00010** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ONKAR SINGH ARORA** पिता/पति श्री श्रीमती **SARDAR HARBHAJAN SINGH ARORA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती जनता बाई एम तलरेजा पिता / पति श्री श्रीमती मन्नू राम तलरेजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

वाहन विनिर्माताओं के विस्तार से ऑटो सेक्टर में औद्योगिक लीजिंग 54 लाख वर्ग फुट पर पहुंची : रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल और इससे जुड़े सहायक उद्योगों ने 2024 से 2026 की पहली छमाही के दौरान लगभग 54 लाख वर्ग फुट औद्योगिक क्षेत्र लीज पर लिया। यह इस अवधि में देश की कुल निर्मित औद्योगिक जगह की मांग का करीब 13 प्रतिशत है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार, औद्योगिक जगह की मांग में घरेलू कंपनियों की सबसे बड़ी हिस्सेदारी रही। कुल मांग में उनका योगदान 57 प्रतिशत रहा, जबकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और यूरोप, मध्य पूर्व एवं अफ्रीका की कंपनियों की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत रही।

शहरों के लिहाज से पुणे ऑटोमोबाइल क्षेत्र में औद्योगिक लीजिंग का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरा। कुल लीजिंग में पुणे की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 25 प्रतिशत और चेन्नई 20 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑटोमोबाइल कंपनियां अब बड़ी और आधुनिक विनिर्माण सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही हैं।

सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के चेयरमैन एवं सीईओ अंशुमान मैगजीन ने कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल विनिर्माण आधार लगातार विविधतापूर्ण हो रहा है। घरेलू मांग उद्योग को बड़े पैमाने पर उत्पादन का आधार दे रही है, जबकि निर्यात में मजबूती, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और उन्नत ऑटोमोबाइल कलपुर्जों का बढ़ता उत्पादन इस क्षेत्र का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वाहन निर्माता बड़ी और तकनीकी रूप से उन्नत विनिर्माण इकाइयों की योजना बना रहे हैं, वैसे-वैसे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता औद्योगिक भूमि, भरोसेमंद बुनियादी ढांचे एवं उपयोगिताओं, कुशल कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं के नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी पर निर्भर करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही में 1 लाख से 2 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली औद्योगिक इकाइयों की लीजिंग कुल मांग का 46 प्रतिशत रही। वहीं, 2 लाख वर्ग फुट से बड़ी इकाइयों की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत रही।

इस तरह, बड़ी औद्योगिक इकाइयों की हिस्सेदारी ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कुल औद्योगिक लीजिंग में 84 प्रतिशत रही।

इसके अलावा, रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का वाहन उत्पादन 3.5 करोड़ इकाइयों तक पहुंच गया, जबकि ऑटोमोबाइल निर्यात सालाना आधार पर 14.7 प्रतिशत बढ़कर करीब 26 अरब डॉलर हो गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स के शेड्यूल एम में बदलाव का दिया प्रस्ताव

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 28 अक्टूबर को जी.एस.आर. नंबर 953(ई) के जरिए ड्रग्स रूल्स, 1945 के शेड्यूल एम में बदलाव का प्रस्ताव दिया है।

यह बदलाव स्टेराइल फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स के लिए गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर टेक्निकल रिपोर्ट सीरीज (टीआरएस) नंबर 1044, एनेक्सर 2 के अनुसार ग्रेड ए साफ एरिया में माइक्रोबियल कंटैमिनेशन के लिए तय लिमिट को बदलने के लिए किया गया है।

प्रस्तावित बदलाव का मकसद शेड्यूल एम के तहत तय माइक्रोबियल कंटैमिनेशन लिमिट और ग्रेड ए एरिया के लिए डब्ल्यूएचओ की संबंधित जरूरतों के बीच मौजूदा अंतर को दूर करना है, जिससे भारत के रेगुलेटरी नियम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्टैंडर्ड के अनुरूप हो सकें।

ग्रेड ए एरिया स्टेराइल फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग में बहुत जरूरी जोन होते हैं, जहां एक्सपोज्ड प्रोडक्ट्स, कंटेनर्स और स्टेराइल किए गए कॉम्पोनेंट्स को हैंडल किया जाता है। स्टेराइल फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स की क्वालिटी और सेफ्टी पक्का करने के लिए इन एरिया में सख्त माइक्रोबियल कंट्रोल बनाए रखना जरूरी है।

प्रस्तावित बदलाव, रिवाइज्ड शेड्यूल एम को डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस के साथ मिलाएगा और देश में स्टेराइल फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग को कंट्रोल करने वाले रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को और मजबूत करेगा। यह डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस के अनुसार, ग्रेड ए एरिया में पाए जाने वाले किसी भी माइक्रोबियल ग्रोथ को जांच के लिए एक ट्रिगर के तौर पर मानने का भी प्रोविजन करता है।

गुजरात में एक लाख पशुओं को मिलेगा बीमा कवर: सरकार

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात में पशुपालक अब सिर्फ 229 रुपए का प्रीमियम देकर अपने पशुओं का एक साल के लिए 40,000 रुपए तक का बीमा करा सकेंगे। राज्य सरकार इस पशुधन बीमा योजना के तहत बीमा लागत का 85 प्रतिशत वहन करेगी।

इस पहल की घोषणा करते हुए प्रवक्ता और मंत्री जीतू वाघानी ने कहा कि सरकार ने 2026-27 के दौरान पशुधन बीमा सहायता योजना के तहत एक लाख पशुओं को कवर करने का लक्ष्य रखा है।

यह योजना केंद्र सरकार के 'राष्ट्रीय पशुधन मिशन' के तहत गुजरात में लागू की जा रही है।

राज्य सरकार प्रति पशु 1,300 रुपए की बीमा प्रीमियम सहायता प्रदान करती है, जो प्रीमियम का 85 प्रतिशत है। जबकि पशुपालक शेष 229 रुपए का भुगतान करके एक वर्ष के लिए 40,000 रुपए तक का बीमा कवर प्राप्त कर सकता है। वाघानी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य पशुपालन करने वाले परिवारों को पशुओं की अचानक मृत्यु से होने वाले वित्तीय नुकसान से बचाना है। इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार अधिकतम 10 बड़े पशुओं या 100 छोटे पशुओं का बीमा करा सकता है। पात्र बड़े पशुओं में गाय, भैंस, घोड़े, गधे, ऊंट, बैल, बछड़े और नर भैंस शामिल हैं।

2026-27 के लिए, केंद्र ने इस योजना के तहत गुजरात के लिए 250 लाख रुपए का आवंटन स्वीकृत किया है, जिसमें से 115 लाख रुपए पहली किस्त के रूप में जारी किए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने अपनी राज्य-वित्त पोषित पशुधन बीमा सहायता योजना के तहत अलग से 55 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं।

राजस्थान सरकार का फैसला, एनसीआर के छह जिलों में सिर्फ तीन घंटे फोड़ सकेंगे पटाखे, ग्रीन पटाखों पर क्यूआर कोड अनिवार्य

विश्व केसरी■



जयपुर। राजस्थान सरकार ने बुधवार को दीपावली के दौरान वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। इसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले छह जिलों में पटाखों की बिक्री और उनके इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है।

नए नियमों के तहत अलवर, भरतपुर, दौसा, डीग, खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ जैसे जिलों में केवल दो दिनों के लिए पटाखे जलाने की अनुमति होगी, और इन्हें अधिकतम तीन घंटे तक ही जलाया जा सकेगा।

केवल प्रमाणित 'ग्रीन पटाखे' (पर्यावरण के अनुकूल पटाखे) ही इस्तेमाल किए जा सकेंगे, जबकि अन्य सभी तरह के पटाखों पर प्रतिबंध रहेगा।

ग्रीन पटाखों के हर पैकेट पर एक क्यूआर कोड होना अनिवार्य है। ग्राहक इस कोड को स्कैन करके निर्माता का नाम, प्रमाणन और लाइसेंस जैसी जानकारी की जांच कर सकते हैं।

राजस्थान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने दीपावली के दौरान वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देश साझा किए हैं।

निर्देशों के अनुसार, एनसीआर क्षेत्र में केवल सीएसआईआर-एनईईआरआई द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की ही बिक्री और उपयोग की अनुमति होगी।

इन पटाखों को केवल 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच और रात 8 बजे से 10 बजे के बीच ही जलाया जा सकता है।

राज्य सरकार ने अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और शिक्षण संस्थानों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर भी रोक लगा दी है। इन दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, पटाखों के अवैध निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना क्यूआर कोड वाले पटाखों की बिक्री प्रतिबंधित है। इन्हें केवल अधिकृत दुकानों से ही बेचा जा सकता है, और इनकी ऑनलाइन बिक्री पर भी रोक है।

जिला कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अवैध पटाखों की बिक्री, भंडारण और आपूर्ति को रोकें। दुकानों और गोदामों की जांच के लिए विशेष टीमें गठित की जाएंगी।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से राजस्थान में प्रवेश करने वाले वाहनों की भी जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर पटाखे जब्त कर लिए जाएंगे और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिलास्तरीय अधिकारी दीपावली के दौरान और उसके बाद भी हर दिन प्रदूषण के स्तर की निगरानी करेंगे।

सेबी ने विदेशी निवेशकों को भारत आए बिना डिजिटल केवाईसी की अनुमति दी

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को भारत से बाहर रहने वाले व्यक्तियों (पीआरओआई) के लिए केवाईसी संबंधी नियमों में ढील दी है। इसके तहत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के नियमों का अनुपालन करने वाले देशों में रहने वाले पात्र विदेशी निवेशक भारत में शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना डिजिटल माध्यम से केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

संशोधित ढांचा तीन दिसंबर से लागू होगा। इसका उद्देश्य अनिवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) और विदेशी नागरिकों के लिए भारतीय वित्तीय बाजारों में निवेश की प्रक्रिया को आसान बनाना है।

हालांकि, एफएटीएफ के नियमों का अनुपालन नहीं करने वाले देशों में रहने वाले निवेशकों पर केवाईसी की मौजूदा आवश्यकताएं लागू रहेंगी।

इस कदम से निवेशकों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल होने और भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

नए नियमों के तहत बाजार मध्यस्थों को पात्र ग्राहकों से डिजिटल माध्यमों के जरिए केवाईसी संबंधी जानकारी और सहायक दस्तावेज स्वीकार करने की अनुमति होगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार के तहत सेबी ने केवाईसी रिकॉर्ड को अलग-अलग बाजार मध्यस्थों के बीच इस्तेमाल करने की सुविधा भी दी है। इससे निवेशक एक मध्यस्थ के पास उपलब्ध अपने केवाईसी रिकॉर्ड का इस्तेमाल दूसरे मध्यस्थ के साथ लेनदेन के लिए भी कर सकेंगे, भले ही केवाईसी से जुड़ी सभी व्यक्तिगत जानकारियों का सत्यापन नहीं हुआ हो।

नियामक ने मध्यस्थों को किसी अन्य सेबी-पंजीकृत मध्यस्थ या किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र के नियामक द्वारा विनियमित संस्था की ओर से किए गए केवाईसी पर भरोसा करने की भी अनुमति दी है।

अमूल ने घी और मक्खन की कीमतों को 50 रुपए तक बढ़ाया, एक किलो वाले पैक की कीमत 680 रुपए हुई

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। देश के दिग्गज सहकारी डेयरी संस्थान अमूल ने बुधवार को घी और मक्खन की कीमतों में 50 रुपए तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया। नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

कीमतों में नए संशोधन के बाद अमूल के एक किलो वाले घी (कार्टन) की कीमत 50 रुपए बढ़कर 680 रुपए हो गई है, जो कि पहले 630 रुपए थी। वहीं, अमूल प्योर घी 500 ग्राम वाले पाउच की कीमत 20 रुपए बढ़कर 345 रुपए हो गई है, जो कि पहले 325 रुपए थी। इसके अलावा, अमूल बटर के 100 ग्राम वाले पैकेट की कीमत 3 रुपए बढ़कर 66 रुपए हो गई है, जो कि पहले 63 रुपए थी। अमूल बटर के 500 ग्राम वाले पैकेट की कीमत 15 रुपए बढ़कर 325 रुपए हो गई है, जो कि पहले 310 रुपए थी।

वहीं, इस महीने की शुरुआत में कर्नाटक में नंदिनी दूध की कीमतों में 8 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही दही की कीमत भी 54 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 68 रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई है।

राज्य सरकार का कहना है कि 8 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि का उद्देश्य दुग्ध उत्पादकों को बेहतर भुगतान सुनिश्चित करना है। वहीं, कर्नाटक सरकार और कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) का मानना है कि यह बढ़ोतरी डेयरी किसानों को राहत देगी।

मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम किसानों और गायों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सूखे जैसी परिस्थितियों के कारण दूध उत्पादन प्रभावित हो रहा है और पशुओं के लिए गुणवत्तापूर्ण चारा उपलब्ध कराना पहले से अधिक महंगा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की ओर से दूध के दाम 12 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ाने की मांग की जा रही थी, जबकि पड़ोसी राज्यों में दूध की कीमतें पहले से अधिक हैं।

उन्होंने कहा, 'यदि किसानों की आय पर्याप्त नहीं होगी तो वे पशुओं के चारे पर खर्च कम करने को मजबूर होंगे, जिसका सीधा असर दुग्ध उत्पादन और पशुओं के स्वास्थ्य पर पड़ेगा।'

विक्रम मिस्री ने काठमांडू में नेपाल के वित्त मंत्री और विदेश सचिव से की मुलाकात, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे। इस यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले से मुलाकात की। इस द्विपक्षीय वार्ता में नेपाल-भारत संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई।

नेपाल का विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर इस बैठक की जानकारी साझा की।

मंत्रालय ने पोस्ट में लिखा, ''नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय ने बुधवार को काठमांडू में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस बैठक में नेपाल और भारत के संबंधों से जुड़े लगभग सभी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय दौरों के आदान-प्रदान, संपर्क एवं कनेक्टिविटी, व्यापार, विकास सहयोग, ऊर्जा और लोगों के बीच आपसी रिश्तों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया। बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच मौजूद मजबूत और करीबी संबंधों को भी रेखांकित किया गया।''

मंत्रालय ने पोस्ट में लिखा, ''भारत के विदेश सचिव इस समय नेपाल के विदेश सचिव के सौहार्दपूर्ण निमंत्रण पर दो दिन की आधिकारिक यात्रा के लिए काठमांडू में हैं। यह यात्रा नेपाल और भारत के बीच सहयोग को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में आपसी साझेदारी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अहम मानी जा रही है।''

इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वित्त मंत्रालय में वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले से भी शिष्टाचार भेंट की।

मंत्रालय ने पोस्ट में लिखा, ''बैठक के दौरान वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने नेपाल और भारत के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा आपसी सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया। यह मुलाकात नेपाल और भारत के बीच लगातार बढ़ते आर्थिक और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।''

नेपाल के विदेश सचिव के निमंत्रण पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। बुधवार को नेपाल में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला और नेपाल के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया।

सन्मार्ग ने तहलका डॉट कॉम का 100 प्रतिशत अधिग्रहण किया

विश्व केसरी■

कोलकाता। सन्मार्ग प्राइवेट लिमिटेड ने तहलका डॉट कॉम प्राइवेट लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इसके साथ ही इस ग्रुप का पत्रिका क्षेत्र में प्रवेश हो गया है और डिजिटल मीडिया जगत में उसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है।

एक प्रमुख हिंदी दैनिक प्रकाशित करने वाले ग्रुप ने कहा कि वह तहलका में और निवेश करने की योजना बना रहा है और अब तक पाक्षिक रूप से प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका को साप्ताहिक प्रकाशन में बदलने का इरादा रखता है। ग्रुप प्रिंट और डिजिटल दोनों प्रारूपों में प्रकाशन जारी रखेगा।

सन्मार्ग ने यह अधिग्रहण उन निवेशकों के ग्रुप से किया है, जिन्होंने 2017 में तहलका डॉट कॉम की पूरी शेयरधारिता हासिल कर ली थी। इन निवेशकों ने तरुण तेजपाल और अन्य छोटे निवेशकों को सफलतापूर्वक बाहर निकलने का मौका भी दिया था। अधिग्रहण के बाद से कोई नया मुकदमा नहीं हुआ है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने तहलका या इसके संचालन में तेजपाल की किसी भी रूप में कोई संलिप्तता न होने की पुष्टि की है। तेजपाल को पहले एक सहकर्मी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद संपादक पद से हटना पड़ा था। बाद में उन्हें दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई।

सन्मार्ग ग्रुप ने कहा कि उसने इस वर्ष अक्टूबर में इन निवेशकों से तहलका डॉट कॉम का पूर्ण अधिग्रहण पूरा कर लिया है, जिसमें 2017 से मौजूद सभी संपत्तियां, प्रिंट, डिजिटल और बौद्धिक संपदा (आईपी) शामिल हैं। अरविंद चतुर्वेदी को प्रकाशन का नया मुख्य संपादक नियुक्त किया गया है।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि पूर्व स्वामी अनंत मीडिया प्राइवेट लिमिटेड उन सभी मुकदमों का सामना करेगा, जिनमें तहलका शामिल था। अनंत मीडिया पूर्व गारंटियों के लिए भी पूरी तरह से जिम्मेदार है।

संपादकीय

सह-यात्री अमृता-दिग्विजय को भी याद रखना जरूरी



प्रो. मनोज कुमार

वह साल 2015 था। इसी साल कुछ थोड़ा पहले अमृता-दिग्विजय की प्रेम-कहानी मीडिया में परवान चढ़ी हुई थी। मीडिया अपने आदत के अनुरूप उतावला हुआ जा रहा था। जैसा बातें बनती है, बननी शुरू हुई। आगे बात बढ़ती और गपशप आगे बढ़ता इसके पहले अमृता-दिग्विजय ने सार्वजनिक तौर पर अपने रिश्ते को कबूल कर लिया। यही नहीं, इसी साल वे तमिलनाडु के एक मंदिर में जीवनभर के लिए बंधन में बंध गए। मीडिया में गपशप खत्म हो गई। अमृता-दिग्विजय का नवीन दांपत्य जीवन आरंभ हो गया। फौरीतौर पर देखा जाए तो दोनों में कोई मेल नहीं था। तब 68 बरस के दिग्विजयसिंह और 44 बरस की अमृता सिंह। एक राजनीति के गूढ़-ज्ञानी और दूसरी मीडिया का चमकता चेहरा। हालाँकि इस रिश्ते में एक बात कॉमन थी, वह यह कि अमृता-दिग्विजय अपनी-अपनी तनहाई में जी रहे थे। दिग्विजयसिंह की धर्मपत्नी आशाजी का बीमारी उपरांत देहांत हो गया था और अमृता अपने पति आनंद प्रधान से आपसी सहमति से अलग हो गई थीं। दोनों साथ जीवन की आगे की यात्रा में निकल पड़े। आशंका जाहिर की गई कि अमृता ने यह शादी दिग्विजयसिंह की दौलत और रसूख के कारण की है लेकिन यह अमृता ने इस आशंका को भी निर्मूल साबित कर दिया यह कह कर कि दिग्विजय की संपत्ति उनके बच्चों के नाम ही रहेगी। यह पूर्व पीठीका जानना इसलिए जरूरी है कि भारतीय सनातन परंपरा है क्या और कैसे निभाया जाता है। 2025 से लगाकर 2026 के एक दशक से अधिक समय में अमृता-दिग्विजय ने दो बड़ी यात्रा कर चुके हैं और इस समय वे तीसरी यात्रा पर हैं।

सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा की चर्चा इन दिनों राजनीतिक-गैर-राजनीतिक मंचों पर हो रही है। इसके पहले नर्मदा परिक्रमा और भारत जोड़ो यात्रा दिग्विजयसिंह पूरी कर चुके हैं। दिग्विजयसिंह हर यात्रा के



नायक होते हैं और यह स्वाभाविक भी है। यह उनका संकल्प होता है और वे यात्रा पर निकल पड़ते हैं। उनका यह संकल्प, यह यात्रा अधूरी रहती, अगर उनके साथ उनकी सहधर्मिणी अमृता सिंह कंधे से कंधा मिलाकर साथ नहीं होतीं। अमृता सिंह उस सनातन परंपरा को निभा रही हैं जिसमें उल्लेखित है कि बिना जोड़े से ना कोई पूजा पूर्ण होती है और ना कोई संकल्प मूर्त रूप लेता है। भारतीय समाज में रिश्तों की यही खूबसूरती है कि वे किसी भी परिस्थिति में एक हों लेकिन जब एक हो जाते हैं तब वे रिश्ते को शिद्दत से जीते हैं। विवाह के पश्चात अमृता-दिग्विजय की यह तीसरी यात्रा है। इस यात्रा का सबसे मोहक पल तो वह रहा कि जब यात्रा के दरम्यान भारतीय स्त्री के लिए जरूरी पर्व 'करवा चौथ' आ गया। एक भारतीय पत्नी की मानिंद उपवास रखा, पति की सूरत परंपरानुसार चलनी में देखा, पति ने जल पिलाकर उपवास तुड़वाया और अमृता-दिग्विजय आगे की यात्रा पर चल पड़े। इस कहानी को राजनीतिक चश्मे से देखेंगे तो कई अर्थ निकलेंगे लेकिन इसे सहज भाव से पढ़ेंगे तो यह अलहदा लगेगा।

दिग्विजयसिंह के साथ ब्याह उपरांत कतिपय सार्वजनिक आयोजनों में अमृता-दिग्विजय आमंत्रित किए जाने लगीं। एक कोई प्रोग्राम भोपाल के रवीन्द्र भवन में भी था। वे वहाँ पहुँचीं लेकिन ना तो मंच पर गईं और ना ही प्रथम पंक्ति में बैठने लिए कोई उपक्रम किया। यह संयोग था कि ठीक उनके पीछे की पंक्ति में मैं भी बैठा था। स्वाभाविक था कि मेरे भीतर का पत्रकार सक्रिय हो गया। प्रोग्राम एक तरफ, अब मेरा सारा ध्यान उन पर था। मैं हतप्रभ था कि कभी आधुनिक पोशाक पहनकर टेलीविजन चैनल में सक्रिय रहने वाली अमृता पूरे संस्कार के साथ कोई डेढ़ घंटे के प्रोग्राम में भारतीय परिधान साड़ी में उपस्थित रहीं। सबसे खास बात यह है कि उनके सिर का पल्लू एक पल के लिए इधर-उधर नहीं हुआ। मुझे यह सब रोमांचित कर गया। यह लिखना उस समय भी चाहता था लेकिन टलता रहा और जब वे अमृता-दिग्विजय बनकर उनकी सहयात्री हैं तो लिखना जरूरी लगा। जरूरी इसलिए भी कि इस यात्रा में उनकी चर्चा नाममात्र के लिए हो रही है।

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

ललित गर्ग

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यत: समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का



माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे।

दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंतत: सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का पर्व नहीं। यही समय की पुकार है और यही सच्चे उत्सव का विवेकपूर्ण अर्थ है।

दीपावली: धर्म की लौ और प्रकाश की परंपरा का पर्व



डॉ घनश्याम बादल

दीपावली पर अमावस्या की रात को मनुष्य अपने घरों में असंख्य दीप जलाकर उजाले का पर्व बनाकर एक तरह से प्रकृति को चुनौती देता है। यह भारतीय संस्कृति की ऐसी अनूठी विशेषता को सामने लाता है जो अंधकार को कोसने के बजाय दीप जलाने की परंपरा लेकर आता है यही दीपावली का सबसे बड़ा दर्शन है । दीपावली का पर्व बताता है कि परिस्थितियां चाहे जितनी प्रतिकूल हों, मनुष्य को अपने हिस्से का प्रकाश पैदा करने का प्रयास नहीं छोड़ना चाहिए।

चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने और रावण पर विजय प्राप्त कर राम जब अयोध्या पहुंचे तो नगरवासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। इस घटना का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि एक मर्यादावान व जनप्रिय राजकुमार अपने राज्य में लौटा था। महत्वपूर्ण यह है कि उनके साथ उस आदर्श की वापसी हुई थी जिसमें सत्ता से ऊपर मर्यादा, बल से ऊपर न्याय और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर लोकहित था। राम की विजय का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होता है जब समाज में कमजोर सुरक्षित हों, शासक उत्तरदायी हों और न्याय किसी की कृपा का मोहताज न हो। इस दृष्टि से दीपावली आज भी रामराज्य के आदर्शों को परखने का अवसर देती है।

श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की कथा भी दीपोत्सव की परंपरा से जुड़ी है। इस आख्यान में एक अत्याचारी के अंत के साथ भय और उत्पीड़न से मुक्ति का भाव निहित है। जैन परंपरा में भगवान महावीर के निर्वाण का संबंध दीपावली से है। वहां दीप का अर्थ आत्मज्ञान और मुक्ति की अनुभूति है। इन कथाओं को एक साथ देखें तो स्पष्ट होता है कि दीपावली किसी एक धार्मिक प्रसंग तक सीमित नहीं है। यह अन्याय से मुक्ति, आत्मिक जागरण और जीवन में शुभता की स्थापना का व्यापक उत्सव है।

दीपावली के धार्मिक अनुष्ठानों में लक्ष्मी और गणेश का संयुक्त पूजन विशेष अर्थ रखता है। समुद्र मंथन से माता लक्ष्मी के प्रकट होने की पौराणिक कथा समृद्धि की प्राप्ति का प्रतीक है। लक्ष्मी को धन और ऐश्वर्य की देवी कहा गया है, लेकिन समृद्धि की आध्यात्मिक अवधारणा केवल धन के संचय से पूरी नहीं होती। स्वस्थ शरीर, संतुष्ट मन, परिवार में प्रेम, आजीविका के साधन और दूसरों के प्रति उदारता भी जीवन की संपदा हैं। जिस व्यक्ति के पास अकूत धन है, लेकिन चैन की नींद नहीं, संबंधों में विश्वास नहीं और किसी जरूरतमंद के लिए संवेदना नहीं, क्या उसे वास्तव में समृद्ध कहा जा सकता है?

दीपावली पूजन में लक्ष्मी के साथ गणेश की उपस्थिति इंगित करती है कि गणेश बुद्धि, विवेक और शुभारंभ के प्रतीक हैं। लक्ष्मी संसाधन उपलब्ध कराती हैं तो गणेश उन संसाधनों के सही इस्तेमाल की प्रेरणा देते हैं। धन कमाने की क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे किस उद्देश्य के लिए और किस तरीके से अर्जित किया गया है यह भी महत्वपूर्ण है। बुद्धि से रहित संपन्नता अहंकार पैदा कर सकती है और विवेक से जुड़ी संपन्नता समाज के लिए अवसरों का निर्माण कर सकती है। इसीलिए लक्ष्मी-गणेश का पूजन केवल धन प्राप्ति की कामना नहीं, बल्कि धन और सद्बुद्धि के संतुलन का आध्यात्मिक संदेश भी है।

दीपावली का सबसे जीवंत प्रतीक है मिट्टी का दीपक। मिट्टी, तेल, बाती और अग्नि के मेल से तैयार यह छोटा-सा प्रकाश स्रोत हमें बहुत कुछ सिखाता है। वह अपनी मिट्टी से अलग नहीं होता, सीमित साधनों में अपना काम करता है और आसपास के अंधकार को दूर करने में वैसा ही योगदान देता है जैसा राम सेतु बनाने में गिलहरी का योगदान था। उसकी लौ का आकार छोटा हो सकता है, लेकिन उसके उद्देश्य की सार्थकता छोटी नहीं होती। मनुष्य भी अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी दूसरे के जीवन में प्रकाश पहुंचा सकता है।

बोध कथा

कोयला और चंदन

हकीम लुकमान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को बुलाया और कहा- बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा लाओ।

बेटे को पहले तो यह अटपटा लगा लेकिन उसने सोचा कि जब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों लेकर अपने पिता के पास गया।

लुकमान बोले- अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दी और हाथ धोने जाने लगा तो लुकमान बोले- ठहरो बेटा, जरा अपने हाथ तो दिखाओ। फिर वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़कर बोले-बेटा, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति इसी तरह होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है।

दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लड़की की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर साथ रहती है। इसलिए हमेशा अच्छे लोगों की संगति में ही रहना। तुम्हारा जीवन सुखद रहेगा।

कविता

दिवाली आने को है..



आशीष मिश्र

अँधेरा पिघलने को है,
रोशनी होने को है
दीपक सजने को है,
दिवाली आने को है

दीपक बदलने को है,
नया बनने को है
पुराना फिकने को है,
मिट्टी होने को है

घर चमकने को है,
फूल सजने को है
काला हटने को है,
रंगीन होने को है

धनतेरस सुनार को है,
कौन कुम्हार को है
दीपक और कलश -
बोल कितने को है

अवध बिहारी को है,
स्वागत तैयारी को है
लक्ष्मी दिवाली को है,
दिवाली आने को है।

व्यंग्य केसरी

फिर लुभाने आ गए...



क्षमा त्रिपाठी

बार-बार छली जाने वाली जनता को फिर सियासी लुटेरे लुभाने, भरमाने, रणभेरी बजा कर साम, दाम दंड भेद के साथ जुगत लगाने कुछ चालाक लोग आ गए. एक ने दूसरे से पूछा,

क्यों बंधु,क्या चुनावी दिन आ रहे हैं?

रूठे,दुत्कारे भी दरबार में फुसलाए गए,रंगे सियार भी शांति न्याय पाठ सिखा रहे हैं । लाल पीला गमछा लपेटे, कमलमुख लिए ,मदमस्त हाथी भी साइकिल से कदमताल कर रहे हैं.

हमने राह चलते एक आदमी से पूछा

क्या चुनावी दिन आ रहे हैं

लतियाये,गरियाएं लोलुप सांप नेवले सब एक हो गए हैं । कातिलों में ही ढूंढे मुहाफिज, कैसे ये लोग सोच रहे! दुखीराम ने श्याम लाल से पूछा :

क्या चुनावी दिन आ रहे?

दलबदल पैतंरो को गद्दी तक रोक के, स्वजनशक्ति शुचिता का दर्पण क्यों ना उन्हें भी दिखलाया जाए ।

सदा राजा को क्यों दोषी करार दे कर कोसे? हम भी तो सहभागी कम नहीं! जन-जन के हिय में अब यही सवाल गूंज रहे :

क्या चुनावी दिन आ रहे?

रंगीन जाल और बहेलिया देख कर चिड़िया 4डु कहें कि जनता सहमी घबराई. सब सोच रही कि इधर खाई, उधर कुआ...तो लोकतंत्र में पतवार किसे सौंप दे? प्रजातंत्र के यज्ञ में कर्तव्य की आहट में कहीं भूल न हो ,फिर पछताए होए क्या, चक्रव्यूह में सभी पिस रहे हैं. आपस में एक दूसरे से बतियाते हुए पूछ रहे हैं:

क्या चुनावी दिन आ रहे?

विदूषक, चाटुकारिता से मुक्त हो स्वतंत्र कलम के निडर प्रहरी बनने की कोशिश में हैं कुछ लोग.सत्य न्याय की कुछ तो लाज रहे. घबराई आंखों से जन-जन राजा से यही सवाल पूछ रहे हैं कि

क्या चुनावी दिन आ रहे या आ गए?

लोकलुभावन वादे लेकिन भीतर ही भीतर खतरनाक इरादे लेकर मरियल सी हो गई जनता को बाहुबली बनाने का वादा करके चालक चेहरे इधर-उधर मंडरा रहे हैं.

लगता है,चुनाव के दिन नजदीक आ रहे हैं..

कानपुर

इतिहास

5 नवंबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1556 (पानीपत का द्वितीय युद्ध): मुगल शासक अकबर की सेना ने हेमू (हेमचंद्र विक्रमादित्य) को हराया था।

1605 (गनपाउडर प्लॉट): इंग्लैंड में राजा जेम्स प्रथम को संसद भवन को उड़ाने की एक बड़ी साजिश का पता चला था।

1872 (महिला मताधिकार): अमेरिकी अधिकार कार्यकर्ता सुसन बी. एंथनी ने बिना अनुमति के राष्ट्रपति चुनाव में वोट डाला, जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया।

1920: भारत में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की स्थापना हुई।

1930: अमेरिकी साहित्यकार सिन्क्लेयर लेविस को उनकी कृति 'बाबित्त' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला।

शिवरीनारायण में स्कूल बसों पर यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त चेकिंग कार्रवाई

एक स्कूल बस जब्त, दो बसों पर 7,000 रुपए का जुर्माना

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं स्कूल बसों का सुरक्षित संचालन कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिवरीनारायण क्षेत्र में स्कूल बसों की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर एक स्कूल बस को जब्त किया गया तथा दो बसों के विरुद्ध कुल 7,000 रुपएकी चालानी कार्रवाई की गई।

स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों की हुई जांच

संयुक्त टीम द्वारा शिशु मंदिर एवं ट्रिनिटी कॉन्वेंट स्कूल की बसों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप बसों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, प्रदूषण प्रमाण-पत्र,



सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

कमियां दूर करने के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम

जांच के दौरान अन्य स्कूल बसों में पाई गई छोटी-मोटी कमियों को दूर करने के लिए संबंधित स्कूल प्रबंधन एवं वाहन संचालकों को सात दिवस के भीतर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बस चालकों को निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा बच्चों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी गई।

स्कूल प्रबंधन को भी दिए गए निर्देश

पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग होने वाले सभी वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वाहन संचालकों एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उक्त जांच अभियान के दौरान क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (RTO) विवेक सिन्हा एवं निरीक्षक रामकुमार जैन यातायात उपस्थित रहे। जांजगीर-चांपा पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अकलतरा में नए सीएमओ का स्वागत

अकलतरा। नगर पालिका परिषद अकलतरा में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नवनियुक्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधा चरण तिवारी का आत्मीय स्वागत तथा निवर्तमान मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह का भावपूर्ण विदाई समारोह संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के समस्त पार्षदगणों द्वारा नवनियुक्त अधिकारी राधा चरण तिवारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत व अभिनंदन के साथ किया गया। इस अवसर पर पार्षदों ने उनके उज्जवल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

वहीं, निवर्तमान अधिकारी संजय सिंह द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान नगर विकास के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए श्रीफल, शॉल भेंट कर सम्मान सहित विदाई दी गई। इस अवसर पर नवनियुक्त अधिकारी राधा चरण तिवारी ने कहा कि नगर के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा और सभी पार्षदों व कर्मचारियों के सहयोग से अकलतरा को एक आदर्श नगर पालिका बनाने का प्रयास किया जाएगा।

केवरी में दर्दनाक हादसा: कुएं में गिरने से गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की मौत

विश्व केसरी■



लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केवरी में बुधवार शाम एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। नहाने के दौरान कुएं में गिरने से आठ माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला के साथ उसके गर्भस्थ शिशु को भी मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान लक्ष्मनिया पति राम दयाल (30 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम करीब 4 बजे महिला घर के पास नहाने के दौरान अचानक कुएं में गिर गई। घटना के समय उसके साथ मौजूद करीब दो वर्षीय बच्चे ने शोर मचाया। बच्चे की आवाज सुनकर आसपास खेतों में धान की कटाई कर रहे ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कुएं से महिला को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद शाम करीब 5:30 बजे डॉक्टरों ने महिला और उसके गर्भस्थ शिशु को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर लखनपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। फिलहाल हादसे के कारणों सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। एक ही हादसे में मां और गर्भस्थ शिशु की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

न्यायालय ने निरस्त की तीन कर्मचारियों की बर्खास्तगी

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। प्राथमिक कृषि साख समिति मर्यादित पोंडी दलहा क्रमांक 504 में तीन कर्मचारियों की बर्खास्तगी का मामला अब नया मोड़ ले चुका है। न्यायालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जांजगीर-चांपा ने समिति के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई बर्खास्तगी की कार्रवाई को निरस्त करते हुए तीनों कर्मचारियों की सेवा बहाल करने का आदेश जारी किया है। न्यायालय के इस फैसले से लंबे समय से अपनी सेवा बहाली की मांग कर रहे कर्मचारियों को राहत मिली है। इस संबंध् में प्राप्त जानकारी के अनुसार अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत पोंडी दलहा में संचालित प्राथमिक कृषि साख समिति का चुनाव किसानों के बीच नहीं कराया गया है, बल्कि शासन स्तर से प्राधिकृत अधिकारी की नियुक्ति कर संस्था के कामकाज का संचालन कराया जा रहा है।

पंडित राम गिरी गोस्वामी श्री सिद्ध हनुमान मंदिर की 181वीं महाआरती में हुए शामिल

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में आयोजित 181वीं महाआरती श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस गरिमामयी आयोजन में अतिथि के रूप में पंडित राम गिरी गोस्वामी (कांदानारा) शामिल हुए। उन्होंने मंदिर परिवार के इस सेवा कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस भव्य महाआरती का हिस्सा बनना उनके लिए परम सौभाग्य की बात है, जिसके लिए वे हनुमान लला के चरणों में साधुवाद व्यक्त करता हूं।

इस अवसर पर उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह महाआरती न केवल धर्म और अध्यात्म का संदेश दे रही है, बल्कि समाज में महाआरती सनातन धर्म सशक्तिकरण की दिशा में महती पहल है।

महाआरती के पावन अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी ओमप्रकाश वैष्णव ने हनुमान लला का अत्यंत मनमोहक व दिव्य श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन-आरती संपन्न कराई। जिसमें सुबह का श्रृंगार सहस अग्रवाल तथा शाम का श्रृंगार गुरुदेव यादव के सौजन्य से कराया गया। सिंदूर अभिषेक रामगोपाल देवांगन सावित्री यादव, लीना विकास बरेठ, नितिन अन्नपूर्णा, प्रत्यूषा, पद्माक्ष सोनी, प्रियल देवांगन के द्वारा सामूहिक रूप से संपन्न किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के अंतर्गत गीतेश पांडे, आदित्य अग्रवाल, सौरभ गर्ग, गीतेश पांडे , आदित्य अग्रवाल, एकांश बरेठ, प्रियल देवांगन के द्वारा सुंदरकांड का पाठ कराया गया।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' द्वारा रंगारंग संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर स्थानीय अतिथि ढाबा, सक्ति में 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' के तत्वावधान में एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सक्ति के स्थानीय कलाकारों और संगीत प्रेमियों के साथ-साथ दूरस्थ अंचल के कलाकारों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की रूपरेखा और सफल आयोजन 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' के अध्यक्ष सीताराम चौहान के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। उद्घाटन उद्बोधन में लक्ष्मी नारायण चौहान ने अपनी दमदार आवाज और लंबे अनुभव के जरिए दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

यह कार्यक्रम सक्ति अंचल के वरिष्ठ गायक कलाकार गुरुप्रसाद जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसके साथ ही, अंचल के ख्यातिप्राप्त कलाकार विक्रम सिंह राजपूत ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

माटी की खुशबू बिखेरते गीत: - कार्यक्रम के दौरान हिंदी सुगम संगीत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी गीतों के बेहतरीन समन्वय ने दर्शकों का मन मोह लिया और छत्तीसगढ़ की माटी की सोंधी खुशबू बिखेर दी। आयोजकों ने बताया कि 'धुन म्यूजिकल ग्रुप' द्वारा इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। इस समूह का मुख्य उद्देश्य नए कलाकारों को मंच प्रदान करना, उनकी छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है।

इनका रहा विशेष सहयोग: इस सफल आयोजन को मूर्त रूप देने में अजय कटकवार, रचना कटकवार, सावित्री महंत, एवं चन्द्र कुमार नामदेव, खुशी चौहान, विनोद सारथी, सलीम खान, दीनदयाल चौहान, गुरुमूर्ती राव, दीपिका चौहान, भरत दास महंत, नरेश कसेर, केशव दास बघेल, डीपी कैवर्त्य, विष्णु कनसारी, देवेंद्र चौहान सहित अन्य साथी कलाकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एड्स नियंत्रण में सरगुजा की राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि



विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी, एड्स नियंत्रण के क्षेत्र में सरगुजा जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले ने लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही सरगुजा छत्तीसगढ़ का पहला जिला बन गया है, जिसने मॉडरेट श्रेणी में सुरक्षित स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले द्वारा एचआईवी/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के निर्धारित तीनों 95-95-95 लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के परिणामस्वरूप हासिल हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा सरगुजा जिले को सुरक्षित श्रेणी में नामांकित करते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र कृषि एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री रामविचार नेताम के द्वारा जिलाधीश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा नोडल अधिकारी को प्रदान किया गया।

वेदांता पावर ने राज्योत्सव में दिखाई ग्रामीण महिला उद्यमिता की झलक

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट ने 2 नवंबर को जिला प्रशासन, सक्ती द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में भाग लिया। इस अवसर पर कंपनी ने महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण उद्यमिता और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर केंद्रित अपनी सामुदायिक विकास पहलों का प्रदर्शन किया।

विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से कंपनी ने 'प्रोजेक्ट सखी' के तहत तैयार उत्पादों और गतिविधियों को प्रस्तुत किया। वेदांत पावर की यह पहल दर्शाती है कि किस प्रकार कौशल विकास और आजीविका के अवसर ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और आय के स्थायी साधन विकसित करने में मदद कर रहे हैं।

प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट सखी के तहत प्रशिक्षित ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की आकर्षक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इनमें भित्ति कला, जूट बैग, हाथ से रंगे दीये, प्राकृतिक सामग्री से बने साबुन और मोमबत्तियां शामिल थीं।

इन उत्पादों के माध्यम से महिलाओं के हुनर, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में बस्तर की कला और पारंपरिक टैटू कला से प्रेरित विशेष प्रस्तुति के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाया गया। वहीं, मशरूम की खेती के प्रदर्शन के जरिए किसानों को इसकी तकनीक और अतिरिक्त आय के एक संभावित साधन के रूप में इसकी उपयोगिता से परिचित कराया गया।

स्टॉल में वेदांता पावर के विद्युत संयंत्र का एक मॉडल भी प्रदर्शित किया गया, जिसके माध्यम से आगंतुकों को बिजली उत्पादन की प्रक्रिया और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में कोयला आधारित विद्युत उत्पादन की भूमिका को समझने का अवसर मिला। स्टॉल का उद्घाटन माननीय राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

वेदांता पावर लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक राजिंदर सिंह आहूजा ने कहा, 'वेदांता पावर में हमारा मानना है कि विकास तभी सार्थक है, जब उसकी प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध संस्कृति, प्रतिभाशाली लोगों और विकास की अपार संभावनाओं के लिए जाना जाता है। राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की इस पहचान, यहां के लोगों की उपलब्धियों और विकास की यात्रा का उत्सव है।

अर्पणा दीक्षित बनीं रक्षा गौधाम फाउंडेशन की जिलाध्यक्ष

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। समाजसेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने की दिशा में रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने संगठनात्मक विस्तार की पहल की है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के पिंडरा निवासी अर्पणा दीक्षित को रक्षा गौधाम फाउंडेशन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संस्था की ओर से 3 नवंबर 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अर्पणा दीक्षित की नियुक्ति को जिले में सामाजिक गतिविधियों के विस्तार और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। संस्था ने उनके समाजसेवा के प्रति समर्पण, रुचि और जनकल्याणकारी कार्यों में योगदान देने की भावना को ध्यान में रखते हुए यह दायित्व सौंपा है। नियुक्ति के अनुसार जिलाध्यक्ष के रूप में अर्पणा दीक्षित जिले में संस्था की सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन और विस्तार करेंगी। उनकी जिम्मेदारी जरूरतमंद परिवारों, गरीब बच्चों, महिलाओं एवं असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और पशु कल्याण से जुड़े कार्यों को प्रोत्साहित करना भी होगा।

'बिहान से जुड़कर लखपति दीदी बनीं संगीता पैकरा ईंट निर्माण से बदली परिवार की आर्थिक तस्वीर'

विश्व केसरी■



अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित आजीविकामूलक गतिविधियां ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कटकोना की संगीता पैकरा ने ईंट निर्माण का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

'एक लाख रुपये के ऋण से शुरू किया व्यवसाय, बनाई एक लाख ईंटें' - संगीता पैकरा प्रतिज्ञा महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष होने के साथ ही शंकरपाट आजीविका ग्राम संगठन की भी अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। ग्राम संगठन से एक लाख रुपये का ऋण लेकर उन्होंने ईंट निर्माण का कार्य शुरू किया। इसके तहत उन्होंने लगभग एक लाख ईंटों का निर्माण कराया, जिससे उन्हें डेढ़ से दो लाख रुपये की कमाई हुई। इस आय का उपयोग वे ऋण चुकाने, घरेलू जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं।

'बेटियों की उच्च शिक्षा को दे रहीं प्राथमिकता'

संगीता बताती हैं कि उनके पति खदान में निजी मजदूरी करते हैं। पहले परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और सीमित आय में घर चलाना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनकी परिस्थितियां बदलने लगीं। स्वरोजगार से प्राप्त आय के जरिए वे बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला पा रही हैं। उनकी बड़ी बेटी बैकुंठपुर में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है, जबकि छोटी बेटी अम्बिकापुर में आईटीआई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। वहीं बेटा दसवीं कक्षा में अध्ययनरत है। संगीता का कहना है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

चिरमिरी पुलिस की बड़ी कार्यवाही चुनमुन कबाड़ी को भेजा गया जेल

विश्व केसरी■



चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। चिरमिरी न्यायालय परिसर में लगे एयर कंडीशनर के आउटर यूनिट से कीमती कॉपर वायर चोरी करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुख्य चोरों को पहले ही सलाखों के पीछे भेजने के बाद पुलिस ने अब चोरी का माल खरीदने वाले फरार आरोपी को भी धर दबोचा है। पकड़ा गया आरोपी मनेंद्रगढ़ निवासी चुनमुन है, जिसे चिरमिरी पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया और आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया।

घटना के अनुसार कुछ समय पूर्व अज्ञात शातिर चोरों ने चिरमिरी न्यायालय परिसर जैसे संवेदनशील और सुरक्षित क्षेत्र को निशाना बनाते हुए वहाँ लगे एसी के आउटर यूनिट्स से कॉपर वायर निकालकर चोरी कर लिया था। इस चोरी से सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिरमिरी पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की थी और त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस की कड़ी पूछताछ में पकड़े गए मुख्य आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल करते हुए खुलासा किया था कि उन्होंने न्यायालय परिसर से चुराया गया कॉपर वायर मनेंद्रगढ़ निवासी चुनमुन को बेचा था। इस खुलासे के बाद से ही खरीदार चुनमुन पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी, निफ्टी 24 हजार के करीब

विश्व केसरी■



मुंबई। कच्चे तेल में गिरावट से भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 383.55 अंक या 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,301.40 और निफ्टी 149.75 अंक या 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,960.60 पर बंद हुआ।

बाजार में व्यापक स्तर पर खरीदारी देखी गई। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप भी बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 909.25 अंक या 1.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,505.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 373.55 अंक या 2.00 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,026.40 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 5.15 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 2.85 प्रतिशत और निफ्टी मेटल 2.80 प्रतिशत टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.49 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.17 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.04 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 1.65 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 1.54 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे।

सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, टाइटन, इंडिगो, बजाज फाइनेंस,आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल गेनर्स थे। टीसीएस, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एलएंडटी और एचयूएल लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि दलाल स्ट्रीट पर 'दिवाली की आतिशबाजी' जारी है, जहां रिस्क लेने की क्षमता बढ़ने के साथ मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के नतीजों से वैश्विक धारणा में सुधार हुआ है। इससे व्यापार और टैरिफ नीतियों को लेकर अधिक संतुलित रुख अपनाने की उम्मीदें जगी हैं, जिससे उभरते बाजारों में एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) का निवेश बढ़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू स्तर पर, आगामी केंद्रीय बजट में टैक्स में राहत मिलने की उम्मीद, उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और त्योहारी सीजन में मजबूत खपत ने इस तेजी को और बढ़ावा दिया। बेहतर कमाई की संभावनाओं और मजबूत घरेलू मांग के चलते निकट भविष्य में बाजार का रुख सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

100 प्रतिशत बायोएथेनॉल से चलने वाली टोयोटा इनोवा 26 नवंबर को होगी लॉन्च

पेट्रोल के मुकाबले 25-30 रुपए आएगा खर्चः नितिन गडकरी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत तेजी से हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'पावरिंग द नेक्स्ट माइल' कॉन्क्लेव में बोलते हुए उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर को टोयोटा की इनोवा का 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल-आधारित मॉडल लॉन्च किया जाएगा, जो पेट्रोल के बजाय पूरी तरह एथेनॉल पर चलेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में एथेनॉल की कीमत करीब 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल करीब 120 रुपए प्रति लीटर का है। उन्होंने बताया कि यह वाहन चलते समय अपनी लगभग 60 प्रतिशत शक्ति बिजली से उत्पन्न करेगा। ऐसे में औसत परिचालन लागत की गणना करें तो इसका खर्च पेट्रोल की तुलना में लगभग 25 से 30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगा।

गडकरी ने कहा, 'इसी महीने 26 नवंबर को मैं टोयोटा की चार पहिया वाहन इनोवा लॉन्च करने जा रहा हूं, जो पेट्रोल की जगह पूरी तरह से 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल पर चलेगी। एथेनॉल की कीमत 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल की कीमत 120 रुपए प्रति लीटर है। यह वाहन चलते समय अपनी 60 प्रतिशत ऊर्जा बिजली से उत्पन्न करेगा। इसलिए, पेट्रोल की तुलना में औसत आधार पर गणना करने पर, प्रभावी लागत 25-30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगी।'

उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में बड़ी बचत होगी और साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरित, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देश और आम लोगों दोनों के लिए लाभकारी साबित होगी।

नितिन गडकरी ने आगे बताया कि उन्हें बजाज और टीवीएस के पहले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को लॉन्च करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि शुरुआती इलेक्ट्रिक स्कूटरों की रेंज लगभग 125 किलोमीटर थी, लेकिन बाद में कई स्टार्टअप कंपनियों ने लागत कम करने के लिए बैटरी क्षमता घटा दी और 70 किलोमीटर रेंज वाले वाहन 70,000 से 72,000 रुपए की कीमत पर बाजार में उतारे।

उन्होंने कहा कि उस समय कंपनियों का मानना था कि कम कीमत वाले वाहन बिक्री बढ़ाने में मदद करेंगे।

आरबीआई ने वित्तीय बाजारों पर नई कमेटी टीसीसीएफएम का किया गठन, पक्षकारों से संवाद होगा आसान

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को बाजार पक्षकारों से संवाद को आसान बनाने क लिए टेक्निकल कंसल्टेटिव कमेटी फॉर फाइनेंशियल मार्केट (टीसीसीएफएम) का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन करेंगे।

आरबीआई के बयान के अनुसार, यह समिति भारतीय रिजर्व बैंक के लिए एक मंच का काम करेगी, जहां वह मनी मार्केट, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा बाजारों और इनसे जुड़े डेरिवेटिव बाजारों एवं बुनियादी ढांचे से संबंधित नीतिगत और परिचालन मामलों पर बाजार के प्रतिभागियों और पक्षकारों के साथ व्यवस्थित रूप से बातचीत कर सकेगी।

जैन के अलावा, इस समिति में सात बाहरी सदस्य होंगे जो बैंकों, बाजार संघों, क्लियरिंग संस्थानों और वित्तीय सेवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह समिति हर तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करेगी।

इन बाहरी सदस्यों में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य और आईआईटी बॉम्बे में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' अनंत नारायण, फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआईएमएमडीए) के चेयरमैन और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के उप प्रबंध निदेशक शमशेर सिंह और एक्सिस बैंक के कार्यकारी निदेशक नीरज गंभीर शामिल हैं।

अन्य सदस्यों में आईसीआईसीआई बैंक के ट्रेजरी और इकोनॉमिक रिसर्च प्रमुख शैलेंद्र झिंगन, सिटी इंडिया के प्रबंध निदेशक और बाजार प्रमुख आदित्य बागरी, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नंद किशोर और मॉर्गन स्टेनली इंडिया के प्रबंध निदेशक रिधम देसाई शामिल हैं।

कमेटी के कार्यक्षेत्र में मनी मार्केट, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा और इनसे जुड़े डेरिवेटिव बाजारों के कामकाज, कार्यकुशलता, तरलता और लचीलेपन से जुड़े मुद्दों की जांच करना शामिल है। यह इन बाजारों को और अधिक गहरा और व्यापक बनाने के उपायों की भी पहचान करेगी।

यह पैनल वित्तीय बाजारों को प्रभावित करने वाले उभरते नीतिगत और परिचालन संबंधी मुद्दों की जांच करेगा, जिसमें आरबीआई के उपायों को लागू करना और बाजार में आने वाली अनपेक्षित बाधाओं की पहचान करना शामिल है। इसके कार्यक्षेत्र में ट्रेडिंग, क्लियरिंग, सेटलमेंट, रिपोर्टिंग और अन्य बाजार अवसंरचनाओं से जुड़े विषय एवं इनसे संबंधित विनियामक और परिचालन ढांचों पर विचार करना शामिल है। इसके अलावा, समिति अंतरराष्ट्रीय और घरेलू घटनाक्रमों, वित्तीय नवाचारों और उभरते उन जोखिमों पर चर्चा करेगी, जिनका भारतीय वित्तीय बाजारों पर असर पड़ सकता है। आरबीआई बाजार से जुड़े कुछ खास मुद्दों या व्यापक आर्थिक पहलुओं को भी जांच के लिए इस समिति के पास भेज सकता है।

भारत का प्राइवेट क्रेडिट एयूएम 2030 तक तीन गुना बढ़कर 65 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीदः रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत पर केंद्रित प्राइवेट क्रेडिट के तहत एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 2030 तक बढ़कर 56-65 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 में 21.8 अरब डॉलर पर था। यह लगभग तीन गुना वृद्धि और करीब 21-24 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाता है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार अभी विकास के शुरुआती चरण में है। देश की जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी महज 0.6 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका में यह 4.4 प्रतिशत और ब्रिटेन में 8.4 प्रतिशत है। इससे इस क्षेत्र में लंबी अवधि में विकास की व्यापक संभावनाएं दिखाई देती हैं।

भारत का क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात, जो आमतौर पर 90 प्रतिशत से 102 प्रतिशत के बीच रहता है, 2022 में घटकर 88.3 प्रतिशत रह गया था। इसके बाद यह 2023 में बढ़कर 93.8 प्रतिशत, 2024 में 95.3 प्रतिशत और 2025 में 102.3 प्रतिशत हो गया। इसके मुकाबले अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात 140 प्रतिशत से 200 प्रतिशत के बीच बना हुआ है। प्राइवेट क्रेडिट उन मध्यम आकार की कंपनियों, विकास के चरण में मौजूद कारोबारों और कम परिसंपत्तियों वाले व्यवसायों की वित्तपोषण जरूरतों को पूरा कर रहा है, जिन्हें पारंपरिक ऋणदाताओं से पर्याप्त मदद नहीं मिल पाती है। इस क्षेत्र की वृद्धि के प्रमुख कारणों में बैंकों के सख्त ऋण नियम, विशेष जरूरतों के अनुरूप वित्तपोषण समाधानों की बढ़ती मांग, कर्ज के पुनर्वित्तपोषण के बड़े अवसर और दिवाला एवं कर्ज वसूली व्यवस्था का मजबूत होना शामिल हैं। केयरएज एडवाइजरी की सीनियर डायरेक्टर तन्वी शाह ने कहा, 'लचीली पूंजी की बढ़ती कॉरपोरेट मांग के चलते भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार 2030 तक 56-65 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

कीमती धातुओं में जोरदार उछाल, पलक झपकते ही सोना 3,000 रुपए और चांदी 6,900 रुपए तक चढ़ी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। लगातार कई दिनों तक दबाव में रहने के बाद बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव नतीजों, कमजोर डॉलर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे कीमती धातुओं में तेज खरीदारी देखने को मिली।

घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना एक ही दिन में 2.21 प्रतिशत यानी 3,088 रुपए चढ़कर 1,42,540 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी में और अधिक तेजी देखने को मिली तथा इसका भाव 3.84 प्रतिशत यानी 6,902 रुपए बढ़कर 1,86,600 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया।

वहीं खबर लिखे जाने तक, एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 1,42,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा, तो वहीं दिसंबर वायदा चांदी 3.71 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,86,373 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। चुनाव परिणामों के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बढ़त हासिल की, जिसके बाद वैश्विक बाजारों में नई राजनीतिक संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई।

विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने सोने को अतिरिक्त समर्थन दिया। आमतौर पर कमजोर डॉलर और कम बॉन्ड यील्ड सोने जैसी गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों को आकर्षक बनाते हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से महंगाई को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिससे निवेशकों को उम्मीद जगी है कि केंद्रीय बैंकों के पास मौद्रिक नीति में कुछ लचीलापन दिखाने की गुंजाइश बन सकती है। सोना ऐसे वातावरण में बेहतर प्रदर्शन करता है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स में सोना 2.32 प्रतिशत चढ़कर 4,031.90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई, जबकि चांदी 4.10 प्रतिशत चढ़कर 51.795 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

बाजार की नजर अभी वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। रूस ने यूक्रेन और अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय शांति वार्ता के लिए सहमति जताई है, जबकि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

तकनीकी विश्लेषण के मुताबिक, एमसीएक्स गोल्ड के लिए 1.41 लाख के आसपास पहला महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) है, इसके बाद अगला रेजिस्टेंस जोन 1,43,000 से 1,43,700 रुपए पर है। नीचे की तरफ 1,40,000 रुपए के स्तर पर तत्काल सपोर्ट बना हुआ है, जबकि अगला सपोर्ट बैंड 1,37,500 रुपए से 1,38,300 रुपए पर है।

एक्सपर्ट का कहना है कि रिकवरी के बावजूद, मोमेंटम इंडिकेटर्स अभी भी काफी कमजोर हैं। आरएसआई लगभग 35 के आसपास है, जबकि एमएसीडी हिस्टोग्राम नेगेटिव बना हुआ है और लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि तकनीकी संरचना में अभी तक सुधार के कोई ठोस संकेत नहीं दिखे हैं।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2030 तक 530 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। देश की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा क्षमता से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो रही है। साथ ही, आयातित ईंधन पर निर्भरता कम हो रही है। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट में जारी 'इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी मार्केट रिपोर्ट 2026' के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग चार गुना बढ़ गई है और 2026 में यह 300 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे तेजी से बढ़ता नवीकरणीय ऊर्जा बाजार और सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल का दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माता बन गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 2025 में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल करने का लक्ष्य पूरा कर लिया, जो निर्धारित समय से पांच साल पहले है। यह देश में स्वच्छ ऊर्जा बदलाव की तेज रफ्तार को दर्शाता है।

आईईए के अनुसार, नवीकरणीय बिजली के तेजी से विस्तार से पहले ही अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को बड़े फायदा हुआ है। नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन के कारण भारत को 2011 से 2025 के बीच कोयले और प्राकृतिक गैस के आयात पर होने वाले खर्च में 100 अरब डॉलर से अधिक की बचत हुई।

भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार अक्टूबर में 4 महीने के उच्चतम स्तर पर, मजबूत मांग से बढ़ी कारोबारी गतिविधियांः पीएमआई डेटा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मजबूत मांग और नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी के चलते भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी के ताजा परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र का पीएमआई सितंबर के 55.2 से बढ़कर अक्टूबर में 55.8 पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीनों का सर्वोच्च स्तर है और सेवा क्षेत्र में लगातार मजबूत कारोबारी गतिविधियों का संकेत देता है।

सर्विसेज पीएमआई का स्तर 50 से ऊपर रहना आर्थिक गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है। अक्टूबर में यह न केवल 50 के तटस्थ स्तर से काफी ऊपर रहा, बल्कि इसके दीर्घकालिक औसत से भी बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया। सकारात्मक संकेत यह भी रहा कि इनपुट लागत मुद्रास्फीति अगस्त 2020 के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही सेवा प्रदाताओं द्वारा ग्राहकों से वसूले जाने वाले शुल्कों में वृद्धि की गति भी जून के बाद सबसे कमजोर रही।

सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों को मिलाकर तैयार किया जाने वाला समग्र पीएमआई (कंपोजिट पीएमआई) सितंबर के 55.9 से बढ़कर अक्टूबर में 56.2 पर पहुंच गया। यह पिछले चार महीनों में कुल आर्थिक उत्पादन में सबसे तेज बढ़ोतरी को दर्शाता है और देश में मजबूत कारोबारी गतिविधियों का संकेत देता है।

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई अक्टूबर में बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया, जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। उन्होंने बताया कि कारोबारी परिस्थितियों में सतर्क सुधार देखने को मिला है। हालांकि कुल मांग मजबूत बनी रही, लेकिन निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि दर फरवरी 2023 के बाद सबसे धीमी रही।

उन्होंने कहा कि इनपुट और आउटपुट दोनों कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही, लेकिन इसकी गति सितंबर की तुलना में कम रही, जिससे मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ राहत के संकेत मिले हैं। पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार, सेवा अर्थव्यवस्था के सभी चार प्रमुख क्षेत्रों में नए कारोबार और उत्पादन में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिनमें वित्त एवं बीमा क्षेत्र सबसे आगे रहा, जबकि रियल एस्टेट और बिजनेस सर्विसेज क्षेत्र अपेक्षाकृत पीछे रहा। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि अक्टूबर में बिक्री वृद्धि का मुख्य स्रोत घरेलू बाजार रहा। भारतीय उपभोक्ताओं और व्यवसायों से मिली मांग ने सेवा क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गोभी की सब्जी में फूल हो जाते हैं नरम और बिखरे हुए? नमक-हल्दी के पानी से तैयारी करें



गोभी की सूखी सब्जी में फूलों की बनावट बचाने के लिए शुरुआत की तैयारी पर ध्यान दें. गोभी को बराबर आकार में काटें और फूलों के बीच ध्यान से जांचकर साफ पानी से धोएं. जरूरत होने पर नमक के पानी में भिगोना कीडे निकालने में मदद कर सकता है. इसके बाद हल्दी वाले उबलते पानी में केवल हल्का पकाएं और तुरंत निथार लें. प्याज-टमाटर का मसाला पहले तैयार करने से गोभी को ज्यादा देर चलाना नहीं पडेगा. फूलों को हल्के हाथ से मिलाएं और जरूरत भर ही पकाएं. तैयार सब्जी हरे धनिए के साथ रोटी, पराठे या दाल-चावल में परोसें.

फूलगोभी की सूखी सब्जी रोटी, पराठे और दाल-चावल के साथ खूब पसंद की जाती है. लेकिन इसे बनाते समय दो परेशानियां अक्सर सामने आती हैं. पहली, फूलों के बीच छिपी मिट्टी या कीडों को साफ करना और दूसरी, पकाते समय गोभी को इतना नरम होने से बचाना कि वह टूटकर बिखर जाए. इन दोनों बातों के लिए शुरुआत की तैयारी पर ध्यान देना जरूरी है. गोभी को बराबर आकार के फूलों में काटें, ध्यान से जांचें और साफ पानी से धोएं. इसके बाद कुछ देर उबलते पानी में रखकर हल्का पकाया जा सकता है. इस प्रक्रिया को ब्लांच करना कहते हैं. हालांकि, नमक और हल्दी के पानी में डालने से सभी कीडे और गंदगी पूरी तरह खत्म हो जाएंगे, ऐसी गारंटी नहीं दी जा सकती. फूलों की जांच और सफाई फिर भी जरूरी है.

उषा की रसोई के नाम से साझा की गई इस रेसिपी से प्रेरित घरेलू तरीके में गोभी को हल्का पकाने के बाद सरसों के तेल, प्याज और टमाटर के साथ तैयार किया जाता है. सही आंच और हल्के हाथ से मिलाने पर फूलों की बनावट संभालना आसान होगा.

सामग्री का माप गोभी के आकार के अनुसार रखें

एक मध्यम आकार की फूलगोभी के लिए दो बडे चम्मच सरसों का तेल, चौथाई छोटा चम्मच जीरा, दो से तीन मध्यम प्याज और दो से तीन टमाटर ले सकते हैं. इसके अलावा दो हरी मिर्च, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच धनिया पाउडर और स्वादानुसार नमक रखें. हल्दी की थोडी मात्रा ब्लांच करने वाले पानी के लिए और थोडी मसाले के लिए चाहिए. आखिर में डालने के लिए साफ हरा धनिया रखें. गोभी छोटी हो तो प्याज और टमाटर कम लें, ताकि उनका स्वाद सब्जी पर हावी न हो.

फूल काटते समय बहुत छोटे टुकडे न करें

सबसे पहले गोभी की बाहरी पत्तियां और सख्त डंठल अलग करें. फिर मध्यम आकार के फूल निकालें. बहुत बडे फूलों के अंदर की सफाई और पकावट जांचना मुश्किल हो सकता है, जबकि बहुत छोटे फूल जल्दी नरम हो जाते हैं. इसलिए लगभग बराबर आकार रखना बेहतर है. हर फूल को पलटकर उसके डंठल और शाखाओं के बीच देखें. खराब, गले या अधिक नुकसान वाले हिस्से हटा दें।



पाली से मेवाड़-मारवाड़ घूमने का परफेक्ट रोड मैप, इन खूबसूरत जगहों को न करें मिस



दिवाली की छुट्टियाँ शुरू हो चुकी हैं और देश-विदेश से पर्यटक राजस्थान की खूबसूरती को निहारने खिंचे चले आ रहे हैं. अगर आप भी इस फेस्टिवल सीजन में राजस्थान घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो एक बात जान लीजिए... चाहे आपको मेवाड़ की वादियों में जाना हो या मारवाड़ के शाही ठाट-बाट देखने हों, आपका स्वागत करेगा—पाली. पाली को मेवाड़ और मारवाड़ का मुख्य 'प्रवेश द्वार कहा जाता है. बिना पाली से गुजरे आपकी यह यात्रा पूरी नहीं हो सकती. लेकिन सवाल यह है कि इस सुहाने मौसम और छुट्टियों में अगर आप मेवाड़ रुख करते हैं तो वहाँ क्या खास देखने लायक है? और मारवाड़ की तरफ बढ़ते हैं तो कौन-सी जगहें आपकी ट्रिप को यादगार बना देंगी? जानें सबकुछ.

ट्रैवलोस्थान के ओनर गुंजन माथुर ने लोकल-18 से खास बातचीत करते हुए कहा कि राजस्थान आने वाले अधिकांश पर्यटक जोधपुर और उदयपुर पहुंचना पसंद करते हैं, जिसमें जोधपुर मारवाड़ और उदयपुर मेवाड़ का हिस्सा है. ये दोनों सबसे लोकप्रिय लोकेशंस हैं. यदि पर्यटकों के पास पर्याप्त समय हो, तो उन्हें केवल जोधपुर और उदयपुर तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आसपास की अन्य खूबसूरत जगहों पर भी ट्रैवल करना चाहिए.

फलोदी का 'खीचन गांव' और कुर्जा पक्षियों का आकर्षण

गुंजन माथुर ने बताया कि यदि पर्यटक जोधपुर की तरफ आ रहे हैं, तो वे ओसिया, फलोदी और खीचन जैसी जगहों को देख सकते हैं. फलोदी जिले में स्थित 'खीचन गांव' भारत का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां हजारों की संख्या में 'डेमोइसिले क्रेन' जिन्हें स्थानीय भाषा में 'कुर्जा' कहा जाता है,यह पक्षी हजारों किलोमीटर दूर से प्रवास करके आते हैं. सर्दियों के दौरान दो-तीन महीने रहने वाले इन पक्षियों के अलावा पर्यटक यहां का विलेज एक्सपीरियंस, पोकरण का किला और स्थानीय राजस्थानी व्यंजनों (फूड क्विज़ीन) का आनंद ले सकते हैं.

जवाई क्षेत्र: जहां इंसान और तेंदुए रहते हैं एक साथ

उदयपुर की तरफ जाने वाले पर्यटक जवाई (सुमेरपुर के पास) और चित्तौड़गढ़ व कुंभलगढ़ जैसी ऐतिहासिक जगहों का रुख कर सकते हैं. जवाई भारत की एकमात्र ऐसी अनोखी जगह है जहां तेंदुए और मनुष्य एक साथ निवास करते हैं. यहाँ पर्यटकों को उनके नेचुरल हैबिटेट में तेंदुए आसानी से दिख जाते हैं. इसके अलावा, जवाई में लेपर्ड सफारी, पहाड़ी पर स्थित माताजी का मंदिर और बर्ड वॉचिंग जैसी ऑफ-बीट गतिविधियां पर्यटकों को काफी आकर्षित करती हैं.

रोहेटगढ़ और विलेज सफारी का अनूठा अनुभव

पाली के पास स्थित रोहेट मारवाड़ का एक पुराना ठिकाना और हेरिटेज प्रॉपर्टी है. रोहेटगढ़ पैलेस में रुककर पर्यटक ग्रामीण जीवन (रूरल लाइफ) का अनुभव ले सकते हैं।

गोमती किनारे 100 मीटर में सिमटी थी संत की दुनिया



उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में गोमती नदी किनारे त्यागी जी महाराज का आश्रम आज भी लोगों की आस्था का केंद्र है. कहा जाता है कि उन्होंने करीब साढ़े तीन साल तक खुद को 100 मीटर के दायरे में सीमित रखा. गुरु के आदेश पर यहां पहुंचे महाराज की तपस्या और सादगी की कहानी आज भी लोगों को हैरान करती है.

सुल्तानपुर के कादीपुर खुर्द गांव में गोमती नदी किनारे त्यागी जी महाराज का आश्रम है. बताया जाता है कि उन्होंने करीब साढ़े तीन साल तक आश्रम की लगभग 100 मीटर की परिधि के बाहर कदम नहीं रखा.

मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे उर्फ रिंकू के मुताबिक, त्यागी जी महाराज अपने गुरु वनखंडी जी के आदेश पर जयसिंहपुर आश्रम से निकले थे. इसके बाद वे कादीपुर खुर्द पहुंचे और गोमती नदी के किनारे तपस्या शुरू की.

महाराज नदी किनारे बेहद साधारण जीवन जीते थे. उनका अधिकतर समय साधना और तपस्या में बीतता था. उनकी जीवनशैली ने आसपास के लोगों को प्रभावित किया.

बताया जाता है कि गांव के लोग उनके लिए दाना-पानी और जरूरत का सामान लेकर आते थे. इन्हीं चीजों से वे अपना भोजन तैयार करते और आश्रम में रहते थे.

त्यागी जी महाराज के आश्रम की पहचान यहां बने हनुमान मंदिर से भी है. आसपास के श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं.सुल्तानपुर के ऐतिहासिक गौरी शंकर मंदिर आने वाले कुछ श्रद्धालु नाव से गोमती नदी पार कर आश्रम पहुंचते हैं. यहां हनुमान जी के दर्शन के साथ वार्षिक भंडारे में भी लोग शामिल होते हैं।

पानी की टंकी में उतरे बिना कैसे करें सफाई? जानिए काई और जिद्दी गंदगी हटाने के 4 सुरक्षित व आसान तरीके



दूषित पानी कई गंभीर बीमारियों की जड़ बन सकता है, इसलिए घर की छत पर रखी पानी की टंकी की नियमित सफाई बेहद जरूरी है. अधिकांश लोग टंकी की तलहटी में जमी जिद्दी काई और गाद निकालने के लिए खुद संकरे टैंक के भीतर उतर जाते हैं, जो घुटन और जहरीली गैसों के चलते जानलेवा साबित हो सकता है. राहत की बात यह है कि बिना टंकी के अंदर घुसे भी आधुनिक तकनीकों और सही उपकरणों से इसे पूरी तरह बैक्टीरिया-मुक्त किया जा सकता है.

घर की पानी की टंकी की सफाई करना अक्सर लोगों के लिए मुश्किल काम बन जाता है. कई बार टंकी के अंदर काई, मिट्टी और गंदगी जमा हो जाती है, जिसे साफ करने के लिए लोग खुद टंकी में उतर जाते हैं. लेकिन ऐसा करना जोखिम भरा हो सकता है. क्या आप जानते हैं कि बिना टंकी के अंदर घुसे भी उसकी सफाई की जा सकती है? इसके लिए कुछ आसान उपकरणों और सही तरीकों की मदद ली जा सकती है. इससे सफाई का काम आसान होने के साथ जोखिम भी कम हो सकता है. आइए जानते हैं पानी की टंकी साफ करने के आसान तरीके.

लंबे हैंडल वाले ब्रश से करें सफाई

एक्सपर्ट हरिलाल निषाद लोकल 18 को बताते हैं कि अगर टंकी में हल्की काई या मिट्टी जमा हो गई है, तो लंबे हैंडल वाले ब्रश की मदद ले सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले टंकी का पानी पूरी तरह निकाल दें. इसके बाद ढक्कन खोलकर लंबे डंडे वाले ब्रश से टंकी की दीवारों और तल की सफाई करें. इससे आपको टंकी के अंदर उतरने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी. ध्यान रखें कि ब्रश साफ और इस्तेमाल के लिए सुरक्षित होना चाहिए.

वाटर प्रेशर जेट से निकालें जमी हुई गंदगी

टंकी की दीवारों पर जमी काई और चिपकी हुई मिट्टी हटाने के लिए वाटर प्रेशर जेट का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसमें तेज दबाव से पानी की धार निकलती है, जिससे दीवारों और कोनों में जमी गंदगी ढीली होकर बाहर निकल जाती है. इसके लिए टंकी का पानी निकालकर प्रेशर जेट को ढक्कन से अंदर की ओर डालें. ध्यान रखें कि पानी की गंदगी बाहर निकालने के लिए निकासी का रास्ता खुला होना चाहिए।

होंठों पर लिपस्टिक क्यों नहीं टिकती? सुबह लगाई लिपस्टिक शाम तक रहेगी बरकरार, फॉलो करें ये 4 स्टेप्स



लिपस्टिक चेहरे की खूबसूरती को कई गुना तक बढ़ाता है. लेकिन इसे सही तरीके से नहीं लगाने पर जल्दी मिटने भी लगता है, जिससे पूरा मेकअप खराब नजर आने लगता है. ऐसे में यदि आपके होंठ पर भी लिपस्टिक ज्यादा देर नहीं टिक पाता है, तो यहां जानिए लिपस्टिक को लॉन्ग लास्टिंग बनाने का आसान तरीका.

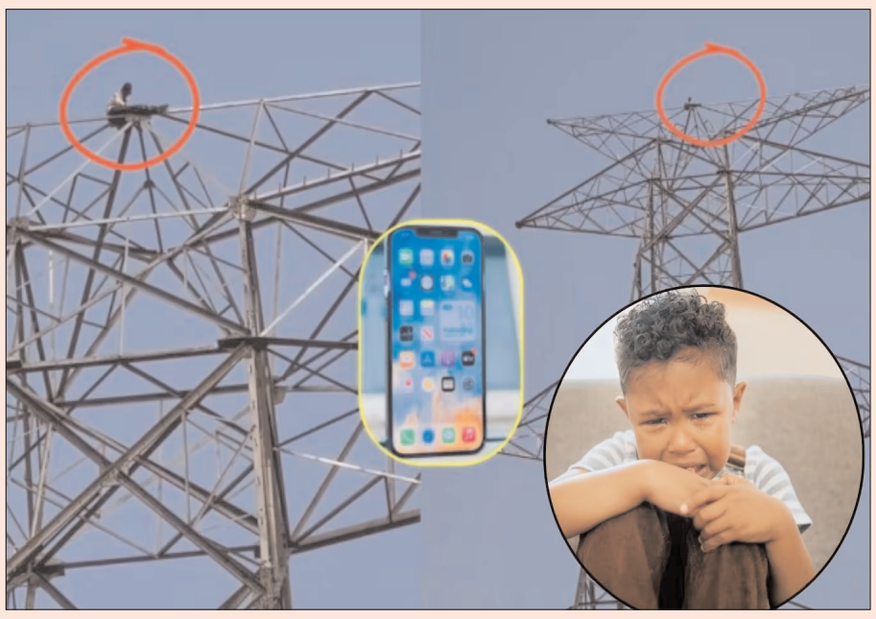
इसमें कोई दोराय नहीं कि लिपस्टिक से चेहरे का लुक निखर जाता है और मेकअप भी पूरा नजर आता है. लेकिन कई बार सारी मेहनत तब खराब हो जाती है, जब कुछ ही देर में लिपस्टिक होंठों से हटने लगती है. खाना खाने, चाय-कॉफी पीने या थोड़ी देर बातचीत करने के बाद लिपस्टिक का रंग हल्का पड़ जाता है. ऐसे में बार-बार टचअप करना पड़ता है.

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है, लिपस्टिक होंठों से जल्दी क्यों मिट जाती है? दरअसल, लिपस्टिक जल्दी हटने के पीछे तीन मुख्य वजहें होती हैं. पहली, होंठों में नमी की कमी, दूसरी, होंठों पर मौजूद प्राकृतिक तेल और तीसरी, उनकी असमान बनावट. इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में मौजूद तेल भी लिपस्टिक के रंग को हल्का कर सकते हैं. अगर होंठों पर रूखी त्वचा या पपड़ी है, तो भी लिपस्टिक अच्छी तरह चिपक नहीं पाती और जल्दी फीकी पड़ने लगती है.

लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाने के लिए अपनाएं ये 4 स्टेप

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों की सही देखभाल करना जरूरी है. इसके लिए हल्के हाथों से लिप एक्सफोलिएशन करें, ताकि रूखी और डेड स्किन हट जाए. इसके बाद होंठों पर लिप बाम की पतली परत लगाएं. इससे होंठ मुलायम रहेंगे और लिपस्टिक अच्छी तरह लगेगी।

पिता ने आईफोन नहीं दिया तो बिजली के टावर पर चढ़ा लड़का..क्या है फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस?



कई बार प्यार में हम बच्चों को 'ना' सुनने ही नहीं देते. लेकिन जिंदगी में हर मनचाही चीज मिल जाए, यह जरूरी नहीं. ऐसे में बच्चों को निराशा, गुस्से और इंतजार को संभालना सिखाना भी अच्छी परवरिश का हिस्सा है. यहां जानिए फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस क्या है और बच्चों को 'ना' सुनना सिखाना क्यों जरूरी है.

बच्चों की कोई पसंदीदा चीज न मिले तो उनका उदास होना या नाराजगी जताना स्वाभाविक है. कई बार वे जिद करते हैं, रोते हैं या गुस्सा दिखाते हैं. लेकिन जब यही नाराजगी खतरनाक कदम उठाने तक पहुंच जाए, तो माता-पिता के लिए यह चिंता की बात है. हरियाणा के मेवात से सामने आई एक घटना ने इसी सवाल पर सोचने को मजबूर कर दिया है. यहां जहटाना गांव में एक युवक ने आईफोन की मांग पूरी न होने पर ऐसा कदम उठाया कि गांव के लोग घबरा गए.

मिली जानकारी के मुताबिक, युवक अपने माता-पिता से आईफोन खरीदने की जिद कर रहा था. जब परिजनों ने उसकी मांग पूरी नहीं की, तो वह नाराज होकर गांव के पास लगे हाईटेंशन बिजली लाइन के टावर पर चढ़ गया. देखते ही देखते वह काफी ऊंचाई तक पहुंच गया. उसे टावर पर चढ़ा देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से उसे समझाने की कोशिश की. काफी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया.

यह घटना इस बात की ओर संकेत करती है कि किसी चीज की मांग अगर पूरी न हो और इसकी वजह से गुस्सा और निराशा आए तो ऐसे हालात को संभालना कितना जरूरी है. मनोविज्ञान में इसे फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस कहा जाता है. आसान भाषा में समझें तो इसका मतलब है कि जब हमारी इच्छा पूरी न हो या कोई काम मन के मुताबिक न हो, तो हम उस निराशा और गुस्से को किस तरह संभालें.

क्या है फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस और क्यों है जरूरी?

हर इंसान को जिंदगी में कभी न कभी निराशा का सामना करना पड़ता है. बच्चे को पसंदीदा खिलौना न मिले, मोबाइल इस्तेमाल करने का समय खत्म हो जाए या उसकी बात न मानी जाए, तो उसे बुरा लग सकता है. ऐसे समय में वह अपने इमोशन?स को कैसे संभालता है, यही उसकी फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस को दिखाता है.

दरअसल, बच्चों में भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने की क्षमता धीरे-धीरे विकसित होती है. इसलिए उन्हें हर बार तुरंत समझदारी से प्रतिक्रिया देने की उम्मीद करना भी सही नहीं होगा. लेकिन अगर बच्चा छोटी-छोटी बातों पर बहुत ज्यादा गुस्सा करता है, खुद को या दूसरों को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता है या खतरनाक कदम उठाता है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

अमेरिकन एकेडमी ऑफ चाइल्ड एंड अडोलेसेंट साइकियाट्री के मुताबिक, बार-बार होने वाले बहुत तीव्र भावनात्मक उबाल के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते हैं. ऐसे मामलों में विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है.

हर जिद पूरी न करें: बच्चे को प्यार करना और उसकी हर मांग मान लेना दो अलग बातें हैं. अगर वह महंगा फोन मांग रहा है, तो उसे समझाएं कि यह अभी जरूरी नहीं है. केवल रोने या गुस्सा करने पर अपना फैसला न बदलें.

उसकी भावनाओं को समझें: बच्चा नाराज है तो उसे यह कहकर चुप न कराएं कि इसमें रोने वाली क्या बात है।





रश्मिका के लहजे पर ट्रोलिंग के बीच कशिका कपूर का समर्थन, बोलीं- भाषा रुकावट नहीं होनी चाहिए

मुंबई। अभिनेत्री **कशिका कपूर** ने दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के बॉलीवुड़ में काम करने के दौरान उनके हिंदी लहजे को लेकर ट्रोल किए जाने पर अपनी राय साझा की। आईएनएस से खास बानचीत में कशिका ने कहा कि एक एक्टर को एक कलाकार के रुप में देखा जाना चाहिए और भाषा उनके लिए कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए।

> "मुझे लगता है कि भाषा कभी कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए। हमें इंडस्ट्री को यह कहकर नहीं बांटना चाहिए कि यह तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री है या यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री है।
> — कशिका कपूर

रश्मिका के उदाहरण से कही बड़ी बात

कशिका ने कहा कि 'द गर्लफ्रेंड' फिल्म की इस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को जिस तरह की आलोचना या जजमेंट का सामना करना पड़ रहा है, वह उसकी हकदार नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है और बेहतरीन परफॉर्मेंस दे रहा है। रश्मिका मंदाना एक शानदार एक्टर और परफॉर्मर हैं। उन्हें उनकी भाषा या एक्सेंट के आधार पर जज करना गलत है। यह उनकी पहचान का ही एक हिस्सा है जो उन्हें सबसे अलग बनाता है।"

रश्मिका ने भी झेली है आलोचना

'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें अपने पूरे करियर में अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना झेलनी पड़ी है। हालांकि, उन्होंने कभी इस आलोचना की वजह से खुद को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया।

'पुष्पा' एक्ट्रेस ने कहा- कई भाषाओं में करना चाहती हूं काम

शो के दौरान रश्मिका ने बताया कि वह दक्षिण भारत से हैं, इसलिए उनका एक्सेंट स्वाभाविक है। वह खुद को सिर्फ एक इंडस्ट्री तक सीमित रखने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



कपूर परिवार में क्यों नहीं होती बेटों के काम की तारीफ? रणबीर ने बताई पीढ़ियों पुरानी परंपरा



विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने कपूर परिवार की एक ऐसी परंपरा के बारे में बात की, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि इस परिवार में पिता अपने बेटों के काम की खुलकर तारीफ करने से बचते रहे हैं। इसके पीछे वजह बेटों को लगातार बेहतर करने और अपने काम के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करना रही है। रणबीर ने अपने दादा राज कपूर और परदादा पृथ्वीराज कपूर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया।

रणबीर ने यह किस्सा मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में बातचीत के दौरान साझा किया।

रणबीर के कहा, ''मैंने यह कहानी राज कपूर की किताब में पढ़ी थी। एक बार राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर से पूछा था कि जब उनका बेटा आज इतना बड़ा स्टार बन चुका है और फिल्मों में इतना अच्छा काम कर रहा है, तो वे कभी उनकी तारीफ क्यों नहीं करते? यहां तक कि कभी पीठ थपथपाकर शाबाशी भी नहीं देते।''

रणबीर ने आगे बताया, ''इस सवाल के जवाब में पृथ्वीराज कपूर ने राज कपूर को एक छोटे बच्चे की कहानी सुनाई थी। उन्होंने कहा कि एक छोटा लड़का सड़क किनारे रस्सी पर संतुलन बनाकर करतब दिखाता था। उसका प्रदर्शन देखने के लिए रोज बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते थे। लोग तालियां बजाते, उसे पैसे देते और उसकी जमकर तारीफ करते थे। हर बार करतब खत्म होने के बाद वह बच्चा अपने पिता के पास जाता और उनसे पूछता कि उसका प्रदर्शन कैसा रहा। लेकिन पिता हर बार उसे एक ही जवाब देते थे- 'कसर रह गई।' लोगों से इतनी तारीफ मिलने के बावजूद पिता उसे यही समझाते कि उसके प्रदर्शन में अभी सुधार की गुंजाइश बाकी है।''

अभिनेता ने बताया, ''कई सालों तक ऐसा होने के बाद एक दिन उस बच्चे ने अपने पिता से पूछ ही लिया कि जब लोग उसके करतब की इतनी तारीफ करते हैं और उसे इतना अच्छा बताते हैं, तो उसके पिता हमेशा कमी ही क्यों निकालते हैं? इस पर पिता ने जो जवाब दिया, वह काफी गहरी सीख देने वाला था।''

रणबीर के बताया कि बच्चे के पिता ने उससे कहा था, 'बेटा, जिस दिन मैं तुम्हारी तारीफ करना शुरू कर दूंगा, उस दिन तुम्हारा लक्ष्य और ध्यान अपने काम से हट जाएगा। तुम अपनी मंजिल पर पहुंचने के बजाय तारीफ में ही खो जाओगे।'

रणबीर की कहा, ''कपूर परिवार में बच्चों को कामयाबी मिलने के बाद भी लगातार मेहनत करते रहने की सीख दी जाती रही है।

'सांचे दरबार की जय' में ध्यानू भगत का किरदार निभाकर खुश हैं मितांश यादव, बोले- 'खुद को खुशकिस्मत मानता हूं'

विश्व केसरी

मुंबई। मां ज्वाला के परम भक्त ध्यानू भगत की भक्ति और आस्था की कहानी अब छोटे पर्दे पर दिखाई जा रही है। मेकर्स ने दीपावली के खास मौके पर नए धार्मिक-सामाजिक शो 'सांचे दरबार की जय... ध्यानू भगत की अमर कहानी' की शुरुआत की है। यह शो ध्यानू भगत की उस ऐतिहासिक कहानी पर आधारित है, जिनकी मां ज्वाला के प्रति अटूट श्रद्धा आज भी लोगों को प्रेरित करती है। उनकी भक्ति से जुड़ा लोकप्रिय जयकारा 'सांचे दरबार की जय' आज भी जागरण और माता की चौकियों में सुनाई देता है।

शो में ध्यानू भगत का किरदार मितांश यादव निभा रहे हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने खुशी जाहिर की। मितांश ने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला। मुझे पहले से ही भक्ति करना और मंत्रों का जाप करना पसंद है, इसलिए इस शो का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा। इस कहानी के जरिए हम असली ध्यानू जी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिनकी भक्ति से जागरण, जयकारे और माता की आराधना जैसी परंपराओं को प्रेरणा मिली।''

उन्होंने आगे कहा, ''हालांकि, बहुत कम लोग उनकी असली कहानी और मां ज्वाला के साथ उनके खास रिश्ते के बारे में जानते हैं। मुझे खुशी है कि दंगल की टीम ने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे इतने प्रतिष्ठित किरदार को निभाने का मौका दिया।'' वहीं, शो में नंद बाबा की भूमिका निभा रहे अभिनेता राजेश दुबे ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसा लगता है कि इस कहानी को पर्दे पर लाने के लिए खुद मां ज्वाला ने हमें चुना है। इस शो के जरिए हमें भक्ति, प्रेम और ईश्वर के प्रति समर्पण का असली अर्थ समझने का मौका मिला है।

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने पटाखे फोड़ने वालों को बताया 'राष्ट्र विरोधी', बोलीं- यह सेहत के खिलाफ है

विश्व केसरी

मुंबई। दीपावली से पहले बढ़ते वायु प्रदूषण और बच्चों की सेहत पर पड़ने वाले बुरे असर को लेकर अभिनेत्री आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने पटाखे फोड़ने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दीपावली पर पटाखे जलाने को 'देश विरोधी', 'जीवन विरोधी' और 'स्वास्थ्य विरोधी' बताया है।

सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लोगों, खास तौर पर बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को देखते हुए कहा कि जो लोग सोचते हैं कि इस दीपावली पर एक पटाखा फोड़ना भी ठीक है, वे 'जीवन विरोधी, स्वास्थ्य विरोधी और देश विरोधी' हैं।



उन्होंने लिखा, 'छोटे बच्चों के माता-पिता आपको बताएंगे कि वायु प्रदूषण की वजह से उनके बच्चे कितने परेशान हैं। बीमार होने की वजह से वे कितने स्कूल के दिन मिस करते हैं। तो अगर आप मुझसे कहते हैं कि ऐसे हालात में इस दीपावली पर एक भी पटाखा फोड़ना बिल्कुल ठीक है, तो मैं बस यही कहूंगी कि यह मुझे एंटी-लाइफ, एंटी-हेल्थ लगता है और हां, राष्ट्र-विरोधी है।

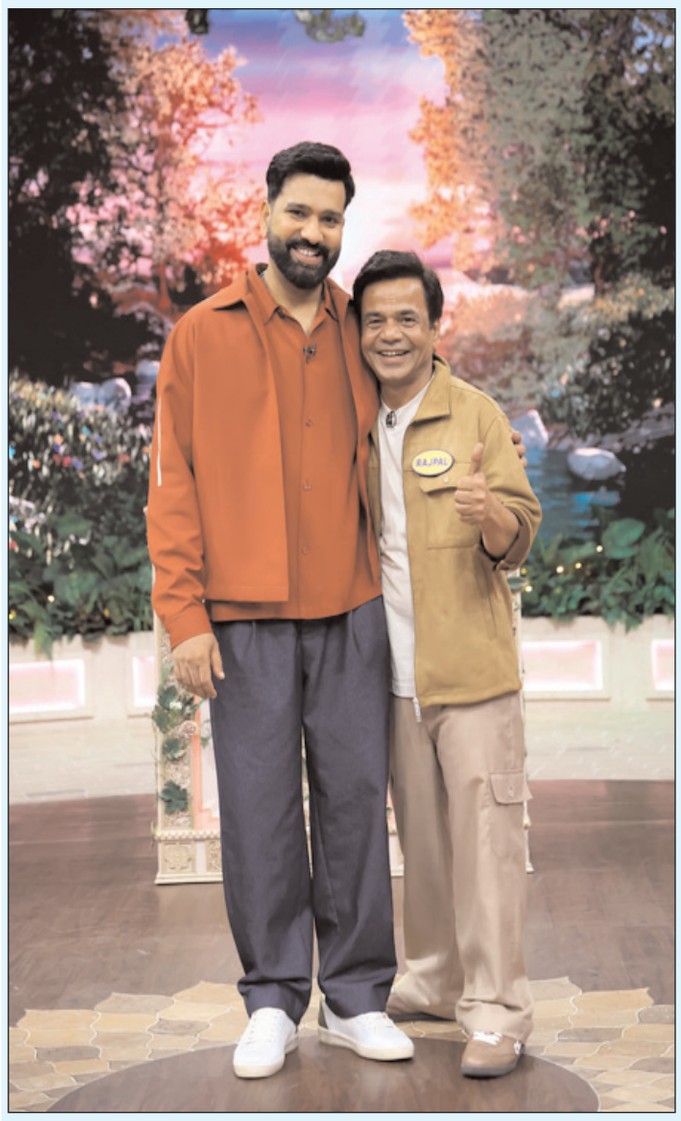
उन्होंने आगे लिखा, 'सेहत एक चुनाव है, जो हम अपने लिए और अपने बच्चों के लिए करते हैं। चलिए सही को चुनते हैं।'

दरअसल, सोनी राजदान का यह बयान अभिनेत्री दीया मिर्जा और बीएमसी के दीपावली प्रदूषण-विरोधी जागरूकता अभियान को लेकर चल रहे विवाद के बीच आया है। दीया मिर्जा हाल ही में एक राजनीतिक विवाद में घिर गई हैं।

बीएमसी ने दीपावली के दौरान वायु और ध्वनि प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाने के अभियान से दीया मिर्जा, माधुरी दीक्षित, निशिगंधा वाड और क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे सहित कई सेलिब्रिटीज को जोड़ा था।

यह पहल बॉम्बे हाईकोर्ट के सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने पर पाबंदी और प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत को लेकर दिए गए निर्देशों के बाद की गई थी। हालांकि, विरोध बढ़ने पर दीया मिर्जा के वीडियो को बीएमसी ने हटा दिया था। बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए उस वीडियो को दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया था।

'जिसमें हम पिटते हैं, वह फिल्म हिट होती है', राजपाल यादव ने बताया कामयाबी का मजेदार राज



विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और मजेदार अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी कई फिल्मों में एक बात अक्सर देखने को मिली है और वह है उनका पिटना। इन सीन्स को राजपाल ने मजाकिया अंदाज में अपनी फिल्मों की कामयाबी से जोड़ा है। उन्होंने बताया कि जिन फिल्मों में उनकी पिटाई होती है, वे हिट हो जाती हैं।

दरअसल, राजपाल यादव हाल ही में रोहित शर्मा के शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में पहुंचे थे। इस दौरान होस्ट रोहित ने उनकी फिल्मों में नजर आने वाली एक दिलचस्प चीज की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि राजपाल की कई हिट फिल्मों, जैसे 'भागम भाग', 'खट्टा मीठा' और 'भूल भुलैया' में एक बात कॉमन रही है और वह है उनका पिटना।

रोहित ने मजाकिया अंदाज में अभिनेता से पूछा, ''राजपाल सर, आपकी 'भागम भाग', 'खट्टा मीठा', 'भूल भुलैया' और भी कई फिल्मों में एक चीज कॉमन रही है, आपकी पिटाई। क्या पिटाई आपका लकी चार्म है?''

इस सवाल पर राजपाल ने भी मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''हां, जिसमें हम पिटते थे, वो फिल्म हिट होती है।'' अभिनेता का यह जवाब सुनते ही वहां मौजूद लोग हंसने लगे। दर्शकों ने भी तालियां बजाकर उनकी बात पर खूब प्रतिक्रिया दी।

गौरतलब है कि राजपाल यादव ने अपने करियर में कई ऐसी कॉमेडी फिल्मों में काम किया है, जिनमें उनके किरदार अजीबोगरीब परिस्थितियों में फंसते नजर आए। इन फिल्मों में कॉमेडी और उनके साथ होने वाली मारपीट ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'भागम भाग' में राजपाल ने गुल्लू का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और गोविंदा नजर आए थे। वहीं, 2007 में आई फिल्म 'भूल भुलैया' में उनका छोटा पंडित का किरदार काफी लोकप्रिय हुआ। फिल्म में उनका किरदार कई मजेदार और उलझन भरी परिस्थितियों में फंसता दिखाई दिया था।

इसके अलावा 'हंगामा', 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम', 'चुप चुप के', 'ढोल', 'पार्टनर', 'दे दना दन' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को खूब हंसाया है।

'महिला निर्देशक' नहीं, सिर्फ निर्देशक कहें, मधुमिता ने मीडिया से की खास अपील

विश्व केसरी

मुंबई। निर्देशक मधुमिता इन दिनों अपनी आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में अभिनेता अर्जुन दास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मधुमिता ने मीडिया और फिल्म समीक्षकों से एक खास अपील की।

उन्होंने कहा कि उन्हें 'महिला निर्देशक' कहने के बजाय सिर्फ 'निर्देशक' कहा जाए। उनका मानना है कि किसी निर्देशक के नाम के साथ उसका जेंडर जोड़ने से फिल्म बनने से पहले ही एक अलग तरह की छवि बना दी जाती है।

अपनी फिल्म 'केडी अंगिरा करुप्पुदुरई' के लिए तारीफ बटोर चुकीं मधुमिता ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा कि वह हर तरह की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, ''मेरी इच्छा है कि मैं हर जॉनर की फिल्में बनाऊं और किसी भी जॉनर को बिना आजमाए न छोड़ूं। हालांकि, मेरी सभी फिल्मों में एक चीज कॉमन होगी और वह है इंसानी भावनाएं। यही मेरी फिल्मों की यूएसपी होगी।''



उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा, ''मेरी एक छोटी-सी गुजारिश है। जब आप किसी फिल्म का रिव्यू करें, तो यह न लिखें कि किसी महिला निर्देशक की फिल्म अच्छी है या खराब। सिर्फ इतना लिखें कि फिल्म अच्छी है या खराब। यह आपका अधिकार है।''

मधुमिता ने अपनी इस अपील की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मुझे एक महिला होने पर गर्व नहीं है। लेकिन जब किसी पद या पहचान के आगे जेंडर जोड़ दिया जाता है, तो कई बार फिल्म बनने से पहले ही उसकी एक छवि बना दी जाती है। लोग मान लेते हैं कि महिला निर्देशक सिर्फ रोमांटिक या हल्की-फुल्की फिल्में ही बनाएंगी। इसलिए मेरी गुजारिश है कि मुझे सिर्फ निर्देशक कहा जाए।''

बात करें फिल्म 'जॉन डो' की तो इसका ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। ट्रेलर की शुरुआत एक छोटे लड़के और उसकी बड़ी बहन से होती है, जो रात में कुछ खाने-पीने का सामान लेने बाहर निकलते हैं।

बेंगलुरु-चेन्नई से जुड़ी जड़ें, एच-1बी वीजा की लड़ाई: सुहास सुब्रमण्यम अमेरिकी कांग्रेस में दूसरी बार निर्वाचित

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रमण्यम मंगलवार को वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से दूसरी बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए। तमिल मूल के चिकित्सक माता-पिता के बेटे सुहास की मां बेंगलुरु से हैं, जबकि उनके पिता चेन्नई और सिकंदराबाद में पले-बढ़े हैं।

भारत से पारिवारिक जुड़ाव और अमेरिका में भारतीय समुदाय के मुद्दों पर मुखरता उनकी राजनीतिक पहचान का अहम हिस्सा रहे हैं।

सुब्रमण्यम ने अपनी जीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'चुनाव प्रचार खत्म हो गया है, लेकिन असली काम अब शुरू हो रहा है। मैं वाशिंगटन में बदलाव लाने के लिए अपने समुदाय के साथ मिलकर काम करने को तत्पर हूं। 'पिछले साल एक साक्षात्कार में उन्होंने अपने भारतीय पारिवारिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा था, 'मेरी मां बेंगलुरु से हैं। मेरे पिता चेन्नई और सिकंदराबाद से हैं और भारत से हमारा जुड़ाव है। मेरे परिवार के लोग आज भी भारत में रहते हैं।'

उन्होंने अपनी मां के अमेरिका पहुंचने की कहानी भी साझा की थी। उनकी मां 1979 में डलेस हवाई अड्डे पर पहुंची थीं। सुब्रमण्यम ने इस घटना को उस इलाके के इतिहास और प्रवासी समुदाय के अनुभवों से जोड़ते हुए सीएनबीसी-टीवी18 से कहा था, 'यहां डलेस हवाई अड्डा है और हमारा जिला उनके लिए एलिस आइलैंड जैसा था।'

ह्यूस्टन, टेक्सास में 1986 में जन्मे सुब्रमण्यम ने टुलेन विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की और नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल की। उन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधि सुजैन कोस्मास के सहयोगी के रूप में काम किया। इसके बाद सीनेटर डिक डर्बिन की सीनेट न्यायपालिका समिति में क्लर्क के तौर पर काम किया, जहां वह ड्रीम एक्ट से जुड़े कामकाज में शामिल रहे।

वर्ष 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में उन्होंने व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी नीति सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके चुनाव प्रचार अभियान के अनुसार, वह वकील के तौर पर काम करने के साथ एक छोटा प्रौद्योगिकी कारोबार भी चला चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन और अग्निशमनकर्मी के रूप में स्वयंसेवा भी की है। सुब्रमण्यम ने 2019 में वर्जीनिया जनरल असेंबली का चुनाव जीतकर इतिहास रचा था। वह इस सदन के लिए निर्वाचित होने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी, पहले दक्षिण एशियाई मूल के व्यक्ति और पहले हिंदू थे।

जयपुर की बेटी पिया दांडिया ने जीती फ्लोरिडा सीट, संसद पहुंचने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। राजस्थान की राजधानी जयपुर से ताल्लुक रखने वाले अप्रवासी भारतीय माता-पिता की बेटी पिया दांडिया ने मंगलवार को हुए फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से जीत हासिल कर ली है। डेमोक्रेटिक पार्टी की पिया अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित होने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला बन गई हैं। उनसे पहले प्रमिला जयपाल यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

दांडिया ने रिपब्लिकन पार्टी के कारोबारी उम्मीदवार केसी असकर को पराजित किया। डिसीजन डेस्क मुख्यालय और सीबीएस न्यूज के अनुमानों के मुताबिक, उन्होंने यह मुकाबला अपने नाम किया। एनबीसी न्यूज ने भी उन्हें इस सीट का संभावित विजेता घोषित किया। करीब 99 प्रतिशत मतों की गिनती पूरी होने के बाद दांडिया लगभग 52 प्रतिशत वोट के साथ आगे थीं, जबकि असकर को करीब 48 प्रतिशत मत मिले। एनबीसी न्यूज के अनुसार, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में इस सीट पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में करीब 14 प्रतिशत का रुझान बदला।

पाम बीच काउंटी में जन्मीं और पली-बढ़ीं दांडिया का बचपन जुपिटर में बीता। उनके माता-पिता 1980 के दशक में राजस्थान के जयपुर से अमेरिका पहुंचे थे और यहीं बस गए। अमेरिका आने के बाद उनके पिता डॉ. रोहित दांडिया ने बतौर डॉक्टर सेवाएं जारी रखीं, जबकि उनकी मां ने 40 वर्ष की उम्र में जुपिटर में एक मोंटेसरी स्कूल की स्थापना की। इस स्कूल की शुरुआत भी मुख्य रूप से पिया की शिक्षा को ध्यान में रखकर की गई थी।

दांडिया का पालन-पोषण भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े माहौल में हुआ।

संक्षिप्त खबर

उत्तरी अफगानिस्तान में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, चार घायल

विश्व केसरी■



काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में एक सड़क हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, राजधानी काबुल को उत्तरी प्रांतों से जोड़ने वाले राजमार्ग पर दो तेज रफ्तार कारों की टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। बयान में इस घटना के लिए लापरवाही से गाड़ी चलाने को जिम्मेदार ठहराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया गया है, जिनमें से ज्यादातर की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के अनुसार, 1 नवंबर को पूर्वी अफगानिस्तान के लगमान प्रांत में एक राजमार्ग पर हुई टक्कर में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के बयान के अनुसार, यह हादसा 1 नवंबर को अजीजखान कास इलाके में हुआ, जब राजधानी काबुल को पूर्वी प्रांतों से जोड़ने वाले राजमार्ग पर एक हिनो ट्रक की टक्कर सामने से आ रहे एक रिक्शे से हो गई।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, दो राज्यों के कई ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी छापेमारी की। पहली कार्रवाई ओडिशा और पश्चिम बंगाल में निवेश धोखाधड़ी के मामले में हुई, जबकि दूसरी कार्रवाई तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में एपीपीएससी ग्रुप-1 परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गड़बड़ी के मामले में की गई। ईडी भुवनेश्वर ने कल्पना फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक अमित मंडल के मामले में ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 10 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह पीएमएलए मामला आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू किया गया था। यह मामला मुख्य रूप से कल्पना फाइनेंशियल सर्विसेज के नाम पर चलाए जा रहे निवेश घोटाले से जुड़ा है। इसमें आम लोगों को यह कहकर निवेश के लिए लुभाया गया कि उनका पैसा शेयर बाजार या ट्रेडिंग गतिविधियों में लगाया जाएगा और उन्हें हर महीने लगभग 3.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक निश्चित मासिक रिटर्न मिलेगा। इस योजना के जरिए जनता से करीब 120 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। ईडी ने बताया कि आगे की जांच जारी है। दूसरी कार्रवाई में ईडी हैदराबाद ने आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) द्वारा आयोजित ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से जुड़े मामले में पीएमएलए के तहत तलाशी अभियान शुरू किया। यह तलाशी हैदराबाद और सिकंदराबाद के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में कुल सात ठिकानों पर की गई।

भूटान ने पीएम मोदी को दिया विशेष सम्मान, 108 बौद्ध स्तूपों में से 76वां स्तूप समर्पित किया उनके नाम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। हाल ही में भारत और भूटान के बीच गहरे आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों की एक विशेष झलक दिखी। भूटान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक अनूठे सम्मान से नवाजा। यहां महज नौ घंटे के भीतर 108 बौद्ध स्तूपों (जांगचुब चोर्टेन) का निर्माण कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई। इस अवसर पर 76वें स्तूप को प्रधानमंत्री मोदी के नाम समर्पित किया गया।

भारत-भूटान की दोस्ती का प्रतीक गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में मौजूद है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, '1 नवंबर 2026 को भूटान में नौ घंटे के भीतर 108 बौद्ध स्तूपों का निर्माण किया गया। इस अवसर पर भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी को समर्पित 76वें स्तूप की पट्टिका का अनावरण किया। 'रायसवाल ने इसे प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विशेष सम्मान बताते हुए कहा, 'यह उपलब्धि भारत और भूटान के बीच गहरे आध्यात्मिक एवं सभ्यतागत संबंधों का स्थायी प्रतीक बनेगी।'

पोस्ट के साथ दो तस्वीरें भी साझा की गई जिसमें पीएम मोदी के नाम पर समर्पित स्तूप का उल्लेख एक पट्टिका पर किया गया था।

भूटान में बौद्ध स्तूपों का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। जांगचुब चोर्टेन को बौद्ध परंपरा में ज्ञान और आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक माना जाता है। 108 स्तूपों का निर्माण इस धार्मिक परंपरा से जुड़ी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी भूटान के दक्षिणी हिस्से में स्थित है। ये भारत सीमा के पास स्थित एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र है। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक की एक बड़ी विकास परियोजना के रूप में इसे विकसित किया जा रहा है।

सऊदी ने तीन ड्रोन किए इंटरसेप्ट, हूती का दावा- हवाई अड्डे और एयरबेस पर किया हमला

विश्व केसरी■



रियाद। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने तीन ड्रोनों को इंटरसेप्ट करने की बात कही है, वहीं, यमन के हूती समूह ने दावा किया है कि उसने दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब में एक हवाई अड्डे और एक एयरबेस पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है।

गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि उनके बलों ने मक्का क्षेत्र के ऊपर एक ड्रोन को नष्ट कर दिया, हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, बाद में उन्होंने बताया कि दो और ड्रोन को रोका और नष्ट किया गया - एक पूर्वी प्रांत में और दूसरा दक्षिणी क्षेत्र की ओर जा रहा था। इस बीच, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया का वीडियो संदेश जारी किया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि उनके समूह ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी असीर क्षेत्र में दो हमले किए।

उन्होंने बताया कि एक ड्रोन से 'अभा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' को और एक बैलिस्टिक मिसाइल से खमीस मुशैत स्थित 'किंग खालिद एयर बेस' को निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि ड्रोन हमले से हवाई अड्डे पर हवाई यातायात बाधित हुआ और मिसाइल सीधे एयर बेस से जा टकराई।

सरिया ने बताया कि यमन के भीतर, हूती बलों ने दक्षिणी प्रांत लाहज के रास अल-अराह और अल-मुदरबाह इलाकों में सरकारी बलों पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं।

चक्रवात 'मुरासु' का असर हुआ कम, काली पूजा तक पूरे बंगाल में शुष्क मौसम की संभावना

विश्व केसरी■



कोलकाता। कोलकाता स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को बताया कि चक्रवात 'मुरासु' का असर काफी कम हो गया है, जिससे गुरुवार से पूरे पश्चिम बंगाल में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

पूर्वी क्षेत्र के निदेशक हबीबुर रहमान बिस्वास ने बताया कि कमजोर पड़ने के बाद चक्रवात 'मुरासु' अब एक निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इस सिस्टम का राज्य पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा, लेकिन बुधवार सुबह कोलकाता और दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बारिश हुई। हालांकि, गुरुवार से पूरे राज्य में मौसम शुष्क रहेगा। काली पूजा (8 नवंबर) तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

मौसम विशेषज्ञों ने संकेत दिया है कि 9 नवंबर से फिर से हल्की बारिश हो सकती है, जिसके बाद 12 नवंबर के आसपास मौसम फिर से शुष्क हो जाएगा। इस दौरान तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की भी उम्मीद है, खासकर उन जिलों में जहां पारा पहले से ही कोलकाता की तुलना में कम है। तापमान में इस गिरावट के बावजूद, मौसम विभाग ने अभी तक राज्य में सर्दियों की शुरुआत होने का कोई संकेत नहीं दिया है।

उत्तर बंगाल में भी मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है और रविवार तक वहां के आठ जिलों में किसी खास बारिश का अनुमान नहीं है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस सीजन में लगातार आए चक्रवातों ने 2013 की यादें ताजा कर दी हैं, जब कुछ ही हफ्तों के भीतर बंगाल की खाड़ी में तीन चक्रवात हेलेन, लहर और माडी बने थे। हाल ही में एक के बाद एक आए चक्रवातों, अर्नब और मुरासु, के प्रभाव की तुलना उसी असामान्य दौर से की जा रही है।

हालांकि, चक्रवात 'मुरासु' ने आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया है।

मंगलवार को कोलकाता में अधिकतम तापमान 31.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक था।

बीएसएफ जवानों पर हमले के फरार आरोपियों के बांग्लादेश भागने की आशंका, पुलिस ने किया अलर्ट

विश्व केसरी■



अगरतला। त्रिपुरा पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा, ताकि बीएसएफ जवानों पर हुए हमले के मामले में फरार नौ आरोपी पड़ोसी देश बांग्लादेश भाग न सकें।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ द्वारा दर्ज एफआईआर में 19 हमलावरों के नाम शामिल हैं। इनमें से अब तक तीन महिलाओं समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अधिकारी ने कहा कि सोमवार रात बीएसएफ कर्मियों पर हुए हमले के तुरंत बाद शुरू किया गया तलाशी अभियान अभी भी जारी है। बाकी नौ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। आशंका है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर बांग्लादेश में शरण ले सकते हैं। इसी कारण बीएसएफ को सीमा पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी अवैध आवाजाही को रोकने के लिए अलर्ट किया गया है।

बीएसएफ त्रिपुरा फ्रंटियर की महानिरीक्षक प्रिंसी रानी और सिपाहीजला जिले के पुलिस अधीक्षक बिजॉय देबबर्मा ने मंगलवार को अन्य अधिकारियों के साथ सिपाहीजला जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र स्थित आशाबाड़ी इलाके का दौरा किया। अधिकारी के अनुसार, बीएसएफ आईजी ने जवानों को सीमा सुरक्षा संबंधी सभी मानक प्रक्रियाओं का अतिरिक्त सतर्कता के साथ पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी मुलाकात कर उन्हें घटना की जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, बीएसएफ जवानों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ भारतीय और बांग्लादेशी तस्करों को कथित रूप से गांजा की तस्करी करते देखा।

पीएम मोदी ने शरद पवार को फोन कर जाना हाल, स्वास्थ्य पर चर्चा से महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ी हलचल

विश्व केसरी■



पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एनसीपी(एसपी) अध्यक्ष शरद पवार को फोन किया और उनका हालचाल पूछा। इस बात की पुष्टि शरद पवार के पारिवारिक मित्र और करीबी सहयोगी विट्ठल मनियार ने की है। हालांकि, प्रधानमंत्री के इस फोन कॉल ने महाराष्ट्र में राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है।

अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए मनियार ने बताया कि पीएम मोदी ने वरिष्ठ नेता से आग्रह किया कि वे अपनी सेहत को प्राथमिकता दें और आराम करें।

पीएम मोदी ने शरद पवार से कहा, 'सुप्रिया और हम देश संभाल लेंगे। आप अपनी सेहत का ध्यान रखें और आराम करें। अपना आशीर्वाद हम पर बनाए रखें। 'पीएम मोदी के फोन कॉल के बाद पवार के अस्पताल में भर्ती होने की खबर ने राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया। पीएम मोदी ने सुबह-सुबह फोन करके शरद पवार का हाल-चाल पूछा था।

पवार ने फोन करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और उन्हें भरोसा दिलाया कि वे आराम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आप सभी के रहते मुझे देश की कोई चिंता नहीं है।'

दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत ने महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरणों को लेकर मीडिया में फिर से अटकलें तेज कर दी हैं। हालांकि उनके करीबी सहयोगियों का कहना है कि यह केवल पवार की सेहत के बारे में पूछा गया एक शिष्टाचार भरा कॉल था।

मनियार ने पुष्टि की कि वरिष्ठ नेता की हालत स्थिर है और कोई गंभीर समस्या नहीं है। 'उनकी सेहत काफी अच्छी है; कोई गंभीर बात नहीं है। दो दिन पहले उन्हें खांसी और सीने में जकड़न (कंजेशन) की शिकायत थी, जिसके चलते उन्हें यहां भर्ती कराया गया था।

'हम उनसे गुहार लगा रहे हैं कि लोकतंत्र को बचाइए', संजय राउत ने भाजपा पर साधा निशाना

विश्व केसरी■



ठाणे। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य नेताओं को लोकतंत्र और राष्ट्रीय मुद्दों पर खुली बहस की चुनौती दी। अमिताभ बच्चन को लेकर सुरक्षा चिंताओं और फिल्मी हस्तियों को धमकियों की आलोचना की। इसके अलावा भाजपा की अगुवाई वाली बीएमसी पर पटाखों को लेकर दीया मिर्जा की पर्यावरण संबंधी चिंताओं का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, 'कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उन्हें बार-बार एसआईआर, लोकतंत्र और देश को लेकर बहस की चुनौती दी जा रही है। उनकी ओर से जहां कहा जाएगा, उस मंच पर बहस की जाएगी। जो लोग सरकार में हैं, देश और राज्य चला रहे हैं, वही लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर आ गए हैं। हम उनसे गुहार लगा रहे हैं कि लोकतंत्र को बचाइए और उनकी ओर से ज्ञानेश कुमार के समर्थन में लोकतंत्र बचाने की बात की जाती है।'

संजय राउत ने कहा, 'अमिताभ बच्चन बुलेटप्रूफ सुरक्षा में जी रहे हैं। इस देश के महानायक इस तरह से अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। यह बहुत शर्मनाक और निंदनीय बात है। पूरा हिंदी फिल्म जगत दहशत में है। जिसकी वजह से दहशत है, वह साबरमती जेल में सरकार की सुरक्षा में आराम से बैठा है और बाहर खेल चल रहा है। अमिताभ बच्चन को धमकाया गया। टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाई गई। बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। बड़े-बड़े बिल्डरों को धमकाया जा रहा है। कलाकारों को धमकाया जा रहा है और ये लोग लोकतंत्र बचाने निकले हैं।

पहला वनडेः विराट कोहली का अर्धशतक, भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। ईडन पार्क में खेले गए पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। भारत की जीत में अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी के बाद विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी की अहम भूमिका रही।

186 का लक्ष्य हासिल करने उतरी भारतीय टीम को पहला झटका रोहित शर्मा के रूप में 1 के स्कोर पर लगा। रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद गिल और विराट ने पारी को संभाला। बारिश की वजह से खेल दो बार बाधित हुआ।

दूसरी बार बारिश की बाधा के बाद जब खेल शुरू हुआ, तो डीएलएस नियम के मुताबिक भारत को जीत के लिए 32 ओवर में 143 का लक्ष्य मिला।

शुभमन गिल और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के दौरान लग रहा था कि भारत 9 विकेट से जीत हासिल करेगी, लेकिन ये साझेदारी टूटते ही लगातार विकेट गिरे।

गिल दूसरे विकेट के रूप में 56 गेंदों पर 37 रन बनाकर 114 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद 124 के स्कोर पर विराट कोहली तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। विराट ने अर्धशतक लगाया। वे 51 गेंदों पर 1 छक्का और 13 चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए।

124 के स्कोर पर ही अक्षर पटेल बिना खाता खोले चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। श्रेयस अय्यर भी 13 गेंदों पर 15 रन बनाकर 136 के स्कोर पर पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए।

राहुल और नमन धीर ने भारतीय टीम को जीत दिलाई। भारत ने 5 विकेट पर 22.4 ओवर में 143 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। राहुल 3 और धीर 5 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से जैकब डफी ने 3, जबकि काइल जैमिसन और नाथन स्मिथ ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले, टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड के लिए टिम सिफर्ट ने 38, डेरिल मिचेल ने 28 और ग्लेन फिलिप्स ने 30 रनों की पारी खेली। इसके अलावा, ब्लेयर टिकनर ने 34 और जैकब डफी ने नाबाद 15 रन बनाए थे।

कीवी टीम ने एक समय 146 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए थे। ब्लेयर और डफी ने आखिरी विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया।

भारत की तरफ से अंशुल कंबोज ने बेहद किफायती गेंदबाजी की। कंबोज ने 10 ओवर में 2 मेडन फेंकते हुए मात्र 22 रन देकर 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह थोड़े महंगे रहे। अर्शदीप ने 10 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। गुरनूर बरार ने 9.2 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए थे।



रोहित भाई के उस 'रन-आउट' ने मैच का रुख बदल दिया: कप्तान गिल



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। भारत ने बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को ईडन पार्क में मिली जीत का श्रेय अपनी टीम की अनुशासित गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग को दिया।

उन्होंने खास तौर पर रोहित शर्मा द्वारा डेरिल मिशेल को रन-आउट करने के पल का जिक्र किया। गिल ने कहा कि यह विकेट मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ, क्योंकि उस समय मिशेल और ग्लेन फिलिप्स की साझेदारी से न्यूजीलैंड मैच में वापसी करने की स्थिति में दिख रहा था।

ऑकलैंड में न्यूजीलैंड को 40.2 ओवरों में 185 रन पर समेटने के बाद भारत ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत मिले 143 रन के संशोधित लक्ष्य को 22.4 ओवरों में हासिल कर लिया। इस दौरान कोहली ने 51 गेंदों में 14 गेंदों में 74 रन की पारी खेली। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

टीम के प्रदर्शन को लेकर गिल ने बताया कि कैसे भारत की फील्डिंग ने गेंदबाजी का बखूबी साथ दिया, और रोहित की शानदार फील्डिंग ने न्यूजीलैंड के प्रतिरोध को तोड़ने में मदद की।

गिल ने कहा, 'हमारी गेंदबाजी बहुत अच्छी रही। हमारी फील्डिंग भी काफी शानदार थी। रोहित भाई के उस रन-आउट ने मैच का रुख ही बदल दिया। मिशेल और फिलिप्स की साझेदारी काफी खतरनाक लग रही थी - हमने भारत में भी देखा था कि उन दोनों ने कितनी अच्छी बल्लेबाजी की थी। कुल मिलाकर, यह हमारी टीम का बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा।

कप्तान गिल, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ के योगदान से खुश नजर आए। इन दोनों गेंदबाजों ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए न्यूजीलैंड को लगातार दबाव में रखा। कंबोज ने 10 ओवरों में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि बराड़ ने 44 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मतलब है कि अंशुल ऐसे गेंदबाज हैं, जो इन परिस्थितियों के लिए एकदम उपयुक्त है। वह हमेशा तेज गेंदबाजी करते हैं और गेंद को सीम कराने की कोशिश करते हैं। वह पुरानी गेंद से भी अच्छी गेंदबाजी करते हैं। हमें लगा कि जब पिच से ज्यादा मदद नहीं मिल रही हो, तो वह अतिरिक्त उछाल पैदा कर सकता है। उसकी गति और जिस तरह से उन दोनों ने आज रात गेंदबाजी की, उन्हें देखना वाकई शानदार था।'

भारतीय पारी के दौरान दो बार बारिश हुई, जिसके कारण ओवरों की संख्या घटाकर 32 कर दी गई और लक्ष्य में भी बदलाव करना पड़ा।

हम उतनी जल्दी खुद को ढाल नहीं पाए, जितना कर सकते थेः सैंटनर



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की टीम बुधवार को भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच में सिर्फ 185 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसके बाद टीम इंडिया ने डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 5 विकेट से जीत हासिल की। कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि उनकी टीम ईडन पार्क की पिच की गति और उछाल के हिसाब से खुद को जल्दी नहीं ढाल पाई।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज अतिरिक्त उछाल का सामना करने में संघर्ष करते नजर आए, और भारतीय तेज गेंदबाजों ने लगातार उन्हें परेशान किया। अर्शदीप सिंह ने कीवी पारी के चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट हाथ लगे और अंशुल कंबोज ने 2 विकेट निकाले। अपनी बल्लेबाजी पर बात करते हुए, सैंटनर ने कहा कि पिच का बर्ताव और भारत की अनुशासित गेंदबाजी, न्यूजीलैंड की पारी के जल्दी सिमटने के मुख्य कारण रहे।

मैच के बाद सैंटनर ने कहा, 'पिच पर उछाल ज्यादा था और ईडन पार्क में यह हमारी उम्मीद से थोड़ी तेज भी थी। हम उतनी जल्दी खुद को नहीं ढाल सके, जितना कर सकते थे। साथ ही, भारत की तरफ से भी काफी अच्छी गेंदबाजी देखने को मिली।'

कीवी कप्तान को लगा कि भारतीय बल्लेबाज उछाल को बेहतर तरीके से संभाल रहे थे, खासकर शॉर्ट गेंदों का सामना करते समय। उन्होंने यह भी बताया कि लक्ष्य का पीछा करते समय बारिश के कारण खेल में रुकावट आई, जिसके बाद परिस्थितियां बदल गईं ।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तोड़ा लगातार हार का सिलसिला, रोमा को 3-2 से हराया



मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दो गोल से पीछे रहने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करते हुए यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमा को 3-2 से हराया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ लगातार 9 मैचों में हार के सिलसिले को समाप्त किया।

मटियास सोले ने मेहमान टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद डोनियल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर शुरुआती 17 मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। इन दो गोलों ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड के खिलाड़ियों को इसके बाद अपने समर्थकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पिच पर हरी टेनिस बॉल फेंकी गई और फुटबॉल डायरेक्टर जेसन विलकॉक्स के खिलाफ नारे लगाए गए।

यूनाइटेड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब मिडफील्डर कार्लोस बालेबा को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिससे कैरिक की पहले से ही मुश्किल शाम में एक और चिंता बढ़ गई। हालांकि, कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी को गोल में बदलकर यूनाइटेड की मैच में वापसी कराई। हालांकि, क्षेत्र के अंदर एक उल्लंघन के बाद उन्हें स्पॉट-किक दोबारा लेनी पड़ी क्योंकि उनकी पहली कोशिश बेकार हो गई थी।

मोमेंटम धीरे-धीरे होम टीम की तरफ मुड़ गया, जब ब्रायन म्ब्यूमो ने दोनों पोस्ट पर शॉट मारकर यूनाइटेड को बराबरी पर लाने के बहुत करीब आ गए। रोमा का विरोध आखिरकार तब टूट गया जब लियोनार्डो बालेरडी क्लीयरेंस से निपटने में नाकाम रहे, जिससे मैथ्यूस कुन्हा को फायदा उठाने और बराबरी करने का मौका मिल गया।

मैच के आखिरी स्टेज पर, कुन्हा ने अहम झटका दिया, मुश्किल एंगल से एक जोरदार फिनिश के साथ गोल करके यूनाइटेड की जबरदस्त वापसी करवाई। कुन्हा के इस गोल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया।

हालांकि, ब्राजील के इस खिलाड़ी को स्टॉपेज टाइम में बालेरडी पर फाउल करने के लिए दूसरा येलो कार्ड मिला। उन्हें पहले गोल सेलिब्रेशन के दौरान अपनी शर्ट उतारने के लिए बुक किया गया था, जिससे यूनाइटेड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर होना पड़ा।

मेजबान टीम ने 54 दिनों में अपनी पहली जीत हासिल की। इस जीत ने हेड कोच माइकल कैरिक पर दबाव हटाया। टीम की लगातार हार ने उन पर दबाव बढ़ा दिया था।

यूनाइटेड को अपने अगले मैचों में एस्टन विला, लिवरपूल और स्पोर्टिंग सीपी जैसी टीमों का सामना करना है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में प्रेजेंटेशन के दौरान पता चलाः प्रेमा रावत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रेमा रावत ने सोमवार को पुणे में सीनियर विमेंस टी20 ट्रॉफी गेम में उत्तराखंड के लिए खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ मात्र 14 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। प्रेमा ने अपनी पारी में 6 चौके और 4 छक्के लगाए। यह महिला टी20 का सबसे तेज अर्धशतक है।

प्रेमा रावत ने कहा है कि बल्लेबाजी के दौरान उन्हें नहीं पता था कि उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।

मीडिया से बात करते हुए प्रेमा रावत ने कहा, 'प्रेजेंटेशन सेरेमनी में, रेफरी आए और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया और मुझे बताया कि 14 गेंदों में फिफ्टी बनाना एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस तरह सभी टीम मेंबर्स और कोच को पता चला कि यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यह सुनकर मुझे सामान्य लगा। लेकिन हां, मुझे अच्छा लगा कि यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।'

प्रेमा ने इस बड़ी कामयाबी का जश्न सिनेमा हॉल जाकर रजनीकांत की लेटेस्ट तमिल फिल्म 'जेलर 2' देखकर मनाया।

रावत ने कहा, 'जब वह बल्लेबाजी करने गईं तो उनके दिमाग में कोई बड़ा प्लान नहीं था। मैं सिचुएशन के हिसाब से खेलना चाहती थी। मुझे पता था कि जब मैं खेलने उतरूंगी, तो कुछ ओवर बचे होंगे। इसलिए, मैं टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहती थी।

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

वर्ल्ड टूर फाइनल्स 9-13 दिसंबर तक चीन के हांगझोऊ में होगा। एन से यंग, ??अकाने यामागुची, वांग झी यी और चेन यू फेई ने भी साल के आखिर में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

गैर-थॉमस कप वर्षों में होने वाले इस टूर्नामेंट में साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप आठ खिलाड़ियों/जोड़ियों को बुलाया गया था। पांच महिला एकल खिलाड़ियों के क्वालीफाई होने के साथ - जापान की तोमोका मियाजाकी, नोजोमी ओखुहारा, रत्चानोक इंतानोन और पुत्री कुसुमा वर्दानी (इंडोनेशिया), थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग और डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन - बाकी तीन जगहों की दौड़ में अन्य खिलाड़ी हैं।

2021 के बाद सिंधु पहली बार वर्ल्ड टूर फाइनल्स में हिस्सा ले रही हैं। 2022 में उन्होंने क्वालीफाई किया था, लेकिन चोट की वजह से उन्हें बाहर होना पड़ा था। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स महिला एकल खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 2018 में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराया था।

2019 की वर्ल्ड चैंपियन सिंधु की हालिया हाइलो ओपन में खिताब जीत उनके लिए सीजन के आखिर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में अहम साबित हुई। सुपर 500 टाइटल ने उनकी टैली में 9,200 पॉइंट्स जोड़े, जिससे वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग के लेटेस्ट अपडेट में दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गईं।

हाइलो ओपन क्राउन इस साल टूर पर सिंधु का दूसरा खिताब था। सिंधु के नाम सात बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल हैं। उन्होंने हाइलो ओपन से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन दुनिया की नंबर 1 और मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं।2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। हाइलो ओपन टाइटल जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने के लिए कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया।

राफिन्हा और यामल की मदद से बार्सिलोना ने एस्टन विला को 3-0 से हराया



विश्व केसरी ■

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में एस्टन विला के लगातार जीत के सिलसिले को रोक दिया है। कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने एस्टन विला पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की।

बार्सिलोना ने जोआओ गोम्स की डिफेंसिव चूक का फायदा उठाकर सातवें मिनट में ही बढ़त बना ली। बॉक्स के अंदर मिडफील्डर की गलत जगह पर गिरी गेंद यामल के पास आई। यामल मौका नहीं चूके और टीम के लिए पहला गोल कर दिया।

यामल का यह 14वां चैंपियंस लीग गोल था। इस गोल के साथ वह कॉम्पिटिशन में एम्बाप्पे को पीछे छोड़ते हुए सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

उनाई एमरी की टीम शुरुआती झटके से घबराई नहीं और इंटरवल से पहले बराबरी करने के कई मौके बनाए। मैटी कैश और विक्टर लिंडेलोफ दोनों ने बार्सिलोना के डिफेंस को परखा, जबकि जोहान मंजांबी और गोम्स भी गोल करने के करीब पहुंच गए। हालांकि, गोलकीपर जोआन गार्सिया और होम डिफेंस ने विला को दूर रखा।

बार्सिलोना ब्रेक के बाद ज्यादा आक्रामक दिखी और 52वें मिनट में अपनी बढ़त बढ़ा ली। राफिन्हा ने पेनल्टी एरिया के बाहर से एक लो शॉट मारा, जो पाउ टोरेस से डिफ्लेक्ट होकर सुजुकी के गलत पैर से लग गया और नेट में चला गया।

64वें मिनट में, जोआओ कैंसेलो ने लेफ्ट फ्लैंक से एक शानदार डिलीवरी की, जिससे राफिन्हा को पोजीशन में आने और शाम के अपने दूसरे गोल के लिए करीब से गोल करने का मौका मिला। इन दो गोलों से राफिन्हा के सीजन के गोलों की संख्या सिर्फ 13 मैचों में 19 हो गई।

विला ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना की रक्षापंक्ति को भेदने में उसे सफलता नहीं मिली। इस नतीजे से यूरोप में विला का जीत का सिलसिला खत्म हो गया और बार्सिलोना लीग-फेज स्टैंडिंग में नौ पॉइंट्स के साथ इंग्लिश टीम के बराबर आ गई, जिससे स्पेनिश क्लब गोल के लिहाज से आगे हो गया।

आईआरडीएआई ने कारों और दोपहिया वाहनों के लिए चार-स्तरीय मोटर इंश्योरेंस ढांचे को किया अनिवार्य



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने निजी कारों और दोपहिया वाहनों के लिए मोटर बीमा पॉलिसियों में चार-स्तरीय संरचना को अनिवार्य है। इससे ग्राहकों को अपनी जरूरतों के हिसाब से खास कवर चुनने की सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था 15 दिसंबर 2026 से लागू होगी।

बीमा नियामक ने कहा कि इस संशोधित ढांचे का उद्देश्य मोटर बीमा पॉलिसियों के अलग-अलग हिस्सों को स्पष्ट रूप से अलग करके ग्राहकों के लिए विकल्पों और पारदर्शिता को बेहतर बनाना है।

नए ढांचे के तहत, मोटर पॉलिसियों को चार हिस्सों में बांटा जाएगा, जिसमें थर्ड-पार्टी लायबिलिटी (तीसरे पक्ष की देनदारी), वाहन में सवार लोगों या पीछे बैठने वालों के लिए कानूनी देनदारी, पर्सनल एक्सीडेंट कवर (व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा), और बीमित वाहन के लिए 'ओन-डैमेज' (खुद के वाहन को होने वाले नुकसान) का कवर शामिल हैं।

इसके अलावा, थर्ड-पार्टी लायबिलिटी बीमा अनिवार्य बना रहेगा, जबकि अन्य कवर वैकल्पिक होंगे। हालांकि, वाहन मालिकों के लिए अनिवार्य पर्सनल एक्सीडेंट बीमा से जुड़े मौजूदा नियम लागू रहेंगे।

साथ ही, नियामक ने सभी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे निजी कारों और दोपहिया वाहनों के लिए एक जैसी (मानकीकृत) पॉलिसी भाषा का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, एक समान 'कस्टमर ऑप्शन फॉर्म' पेश करें, जिसके जरिए पॉलिसीधारक अपनी पसंद के कवर चुन सकें।

बीमा कंपनियों को पॉलिसी खरीदते समय एक ग्राहक सूचना पत्र भी देना होगा। इसमें हर हिस्से के तहत मिलने वाले कवरेज और उसके लिए लिए जाने वाले प्रीमियम की पूरी जानकारी होगी, जिससे ग्राहक अपनी पॉलिसी को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

नियामक ने यह भी कहा कि पॉलिसीधारक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 'ऑप्शन फॉर्म' भरकर अपनी पसंद के कवर चुन सकेंगे।

मौजूदा ग्राहक भी पॉलिसी की अवधि के दौरान अतिरिक्त प्रीमियम देकर, वाहन में सवार लोगों या पीछे बैठने वालों के लिए 'लीगल लायबिलिटी कवर' जुड़वा सकते हैं।

हालांकि पॉलिसी का ढांचा और भाषा एक जैसी होगी, लेकिन बीमा कंपनियों के पास नए बीमा उत्पाद तैयार करने और बाजार की स्थितियों के आधार पर 'ओन-डैमेज' कवर की कीमत तय करने की छूट बनी रहेगी।

रोज 5 मिनट करें अर्ध उष्ट्रासन, गर्दन-कमर दर्द और कब्ज से मिलेगा छुटकारा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम घंटों लैपटॉप और मोबाइल पर काम करते हैं, जिससे हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में योग ही एक ऐसा उपाय है जो शरीर को स्ट्रेच करने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। कई योगासनों में एक बेहद असरदार और आसान आसन है- अर्ध उष्ट्रासन।

उष्ट्र' का अर्थ होता है 'ऊंट' और अर्ध का अर्थ होता है 'आधा'। इस आसन को करते समय शरीर की आकृति आधे झुके हुए ऊंट के समान बनती है, इसलिए इसे अर्ध उष्ट्रासन कहा जाता है। देखने में सरल इस आसन को करने से बहुत लाभ मिलते हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को करने के फायदे बताए हैं। उनके अनुसार, यह आसन ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, जिससे शरीर के सभी अंगों को पर्याप्त खून और ऑक्सीजन मिलती है और शरीर तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करता है।

यह न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, बल्कि सीने को खोलकर सांस लेने की क्षमता को भी बेहतर बनाता है।

इसके अलावा, अर्ध उष्ट्रासन कब्ज और कमर दर्द से राहत देने में भी मददगार है। जब हम इस आसन का नियमित अभ्यास करते हैं, तो पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और पाचन तंत्र मजबूत होता है। इससे कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं और पेट हल्का महसूस होता है। इस योगासन से मानसिक तनाव भी कम होता है। जब शरीर ठीक रहता है तो हमारा मन भी खुश और शांत रहता है।

अर्ध उष्ट्रासन के नियमित अभ्यास से पीठ और गर्दन की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने के दौरान रीढ़ की हड्डी पीछे की तरफ स्ट्रेच होती है।

इससे रीढ़ के आसपास की छोटी-बड़ी सभी मांसपेशियों में खिंचाव आता है और उनमें ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। रोजाना अभ्यास से ये मांसपेशियां लचीली और मजबूत बनती हैं, जिससे कमर दर्द और जकड़न से राहत मिलती है और पोस्चर में सुधार होता है।

आयुष मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अगर आपको कमर या घुटनों में कोई तकलीफ है तो बिना डॉक्टर से सलाह लिए इस आसन को न करें।

हर व्यक्ति के लिए अलग होती है योग थेरेपी, अपनाने से पहले जानें इसकी भूमिका और सीमाएं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने योग थेरेपी के सही उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि योग थेरेपी एक व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण है, जिसमें अभ्यासों का चयन व्यक्ति की जरूरतों और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार किया जाना चाहिए।



मंत्रालय के अनुसार, योग थेरेपी में एक ही तरीका सभी के लिए उपयुक्त नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक संरचना, लचीलापन और आंतरिक स्वास्थ्य भिन्न होता है। इसी अनुसार, हर व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं, इसलिए योग्य योग चिकित्सक की निगरानी में ही अभ्यास चुनना चाहिए। नियमित अभ्यास, जीवनशैली में उचित बदलाव और निरंतर निगरानी इसके प्रभावी होने के लिए जरूरी हैं।

आयुष मंत्रालय ने योग थेरेपी की सीमाओं पर भी जोर दिया है। उच्च रक्तचाप, स्लिप डिस्क, हर्निया, हृदय रोग या हालिया सर्जरी वाले रोगियों के लिए सामान्य योग आसन भी जोखिम भरे हो सकते हैं। साथ ही, यह तत्काल राहत देने वाला उपचार नहीं है और चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जा सकता।

एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि योग थेरेपी को चिकित्सा निदान या डॉक्टर द्वारा निर्धारित इलाज का विकल्प नहीं समझना चाहिए। योग थेरेपी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ पूरक रूप में काम कर सकती है और इसका वास्तविक प्रभाव तभी सामने आता है जब अभ्यासकर्ता की विशिष्ट स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखकर उसके लिए अनुकूलित क्रियाएं निर्धारित की जाएं।

मंत्रालय ने 'जागरुकता के साथ योगाभ्यास' अभियान के तहत लोगों से जिम्मेदारी भरे तरीके से योग करने की अपील की है। योग के सही दायरे को समझना ही जिम्मेदार योग अभ्यास का हिस्सा है। डिजिटल युग में इंटरनेट और सोशल मीडिया वीडियो देखकर कठिन अभ्यास करने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जो अक्सर चोटों का कारण बनती है।

क्या आप भी टीवी देखते हुए खाते हैं खाना? आयुर्वेद में बताया गया है खतरनाक

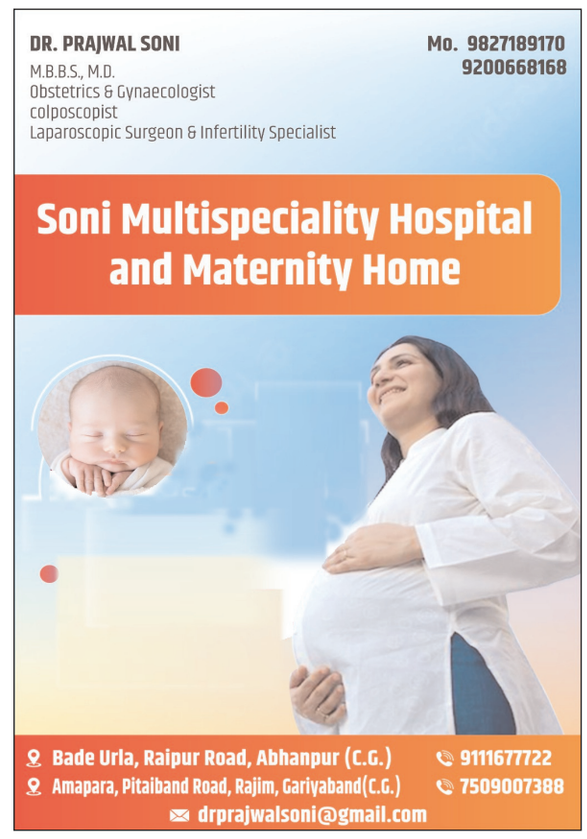
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल हम सबकी लाइफ इतनी बिजी हो गई है कि खाने का भी टाइम नहीं मिलता। कई लोग ऑफिस का काम करते-करते लंच कर लेते हैं, तो कई लोग टीवी या मोबाइल देखते हुए डिनर निपटा देते हैं। हमें लगता है कि चलो पेट तो भर ही रहा है, लेकिन आयुर्वेद कहता है कि आप क्या खा रहे हैं, उससे ज्यादा जरूरी है कि आप कैसे खा रहे हैं।

आयुर्वेद कहता है कि खाना हमेशा शांत, साफ जगह पर और आराम से बैठकर खाना चाहिए। टीवी देखते हुए, जोर-जोर से हंसते हुए या बातें करते हुए खाना खाने से हमारा ध्यान खाने पर नहीं रहता। इससे खाना ठीक से पचता नहीं है। जब खाने बैठें, तो टीवी बंद कर दें और सिर्फ खाने का मजा लें। खाने को न तो बहुत जल्दी-जल्दी निगलें और न ही बहुत धीरे-धीरे। हर कौर को अच्छे से चबा-चबाकर खाएं। बहुत से लोगों को तेज गर्म खाना खाने की आदत होती है, तो कुछ लोग फ्रिज से निकालकर ठंडा खाना ही खा लेते हैं।















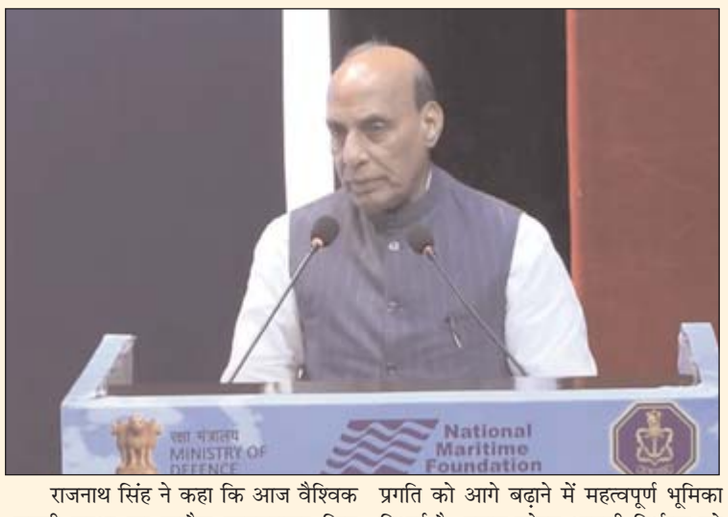




भारत के लिए महासागर दूर या अनजाने नहीं है, स्वतंत्र व नियम आधारित व्यवस्था के पक्षधर: राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र का भविष्य केवल तकनीक से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि विभिन्न देश उस तकनीक का इस्तेमाल कितनी समझदारी से करते हैं। किस तरह की साझेदारी बनाते हैं और एक-दूसरे के बीच कितना विश्वास कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस सामूहिक प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है। 'इंडो पैसिफिक रीजनल डायलॉग - 2026' (आईपीआरडी-2026) के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लिए महासागर कभी दूर या अनजाने क्षेत्र नहीं रहे हैं। सदियों से भारतीय नाविक इन समुद्री रास्तों से होकर गुजरते रहे हैं। वे अपने साथ केवल सामान ही नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और मानवीय संबंधों को भी लेकर चलते थे। यही प्रमुख कारण है कि भारत ने हमेशा स्वतंत्र, खुले और नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में जिम्मेदारी के साथ योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की समुद्री जिम्मेदारियां उसकी राष्ट्रीय तटरेखा तक सीमित नहीं हैं। भारत लगातार एक खुली, समावेशी और नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था का समर्थन करता रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज वैश्विक समुद्री सुरक्षा का माहौल जानबूझकर किए जा रहे व्यापारिक व्यवधानों के कारण दबाव में है। समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता को खुली चुनौती दी जा रही है और संकरे समुद्री रास्तों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। समुद्री क्षेत्र में बढ़ती यह अस्थिरता व्यापक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन रही है। उन्होंने कहा कि हर व्यवधान का जवाब वैश्वीकरण से पीछे हटकर नहीं दिया जा सकता। न ही उन समुद्री क्षेत्रों को बंद करने की कोशिश होनी चाहिए, जिन्होंने मानव प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारा उद्देश्य आपसी निर्भरता को और सुरक्षित बनाना होना चाहिए। इसके लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना जरूरी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत जब 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब समुद्री क्षेत्र राष्ट्रीय बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत की महत्वाकांक्षाएं केवल व्यापार बढ़ाने या नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने तक सीमित नहीं हैं। देश एक व्यापक समुद्री तंत्र विकसित करना चाहता है।

उन्होंने कहा कि मानव क्षमताओं में उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से आंकड़ों के विश्लेषण का तरीका बदल रहा है। स्वचालित प्रणालियां निगरानी और संचालन की संभावनाओं का विस्तार कर रही हैं। नए सेंसर महासागरों पर नजर रखने की क्षमता बढ़ा रहे हैं। वहीं, सामग्री विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और आंकड़ों के विश्लेषण में प्रगति से अनुसंधान और उपयोग के नए रास्ते खुल रहे हैं। इन बदलावों का समुद्री सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, केवल तकनीक ही इसका समाधान नहीं है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद-प्रशांत का भविष्य इस बात पर भी निर्भर करेगा कि देश तकनीक का इस्तेमाल कितनी समझदारी से करते हैं और आपसी सहयोग के जरिए कितना विश्वास पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे महत्वपूर्ण दौर में खड़े हैं, जहां सहयोग से जुड़ी हमारी आकांक्षाओं को तत्काल संयुक्त तकनीकी और परिचालन प्रयासों में बदलने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि तकनीक देशों के बीच असमानता का एक और कारण नहीं बननी चाहिए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऐसे देश हैं जिनकी तकनीकी और आर्थिक क्षमताओं में काफी अंतर है। कुछ देशों के पास उन्नत

दिवाली पर राघव चड्ढा की अपील, स्थानीय उत्पाद खरीदें और कारीगरों का समर्थन करें

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने दिवाली पर स्थानीय बाजारों और पारंपरिक कारीगरों का समर्थन करने की अपील की है। उन्होंने दिवाली की खरीदारी के दौरान जिस कुम्हार परिवार से मुलाकात की, उनकी मेहनत और शिल्प कौशल को उजागर किया।



भाजपा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में राघव चड्ढा एक कुम्हार फैमिली के साथ मिट्टी के दीए बनाने नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही वो कारीगरों से दीए बनाने की मिट्टी, कला और आमदनी के बारे में भी बात कर कर रहे हैं।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में चड्ढा ने लिखा: 'आपकी छोटी सी खरीदारी, किसी की पूरी दिवाली।' एक स्थानीय बाजार में घूमने के दौरान चड्ढा को एक युवक ने अपने घर आमंत्रित किया, जहां उन्होंने पूरे परिवार को मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक दीये और सजावटी सामान बनाते हुए पाया। कारीगरों से बातचीत करने पर उन्होंने दीये बनाने की कला को देखा, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और इसके निर्माण में लगने वाली श्रमसाध्य प्रक्रिया के बारे में जाना।

भाजपा सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि हस्तनिर्मित उत्पाद केवल कच्चा माल नहीं हैं बल्कि इससे कहीं अधिक हैं। चड्ढा ने प्रत्येक वस्तु को बनाने में लगने वाले समर्पण और मेहनत को सराहा। उन्होंने कारीगरों को आश्वासन दिया कि वे उनकी चिंताओं को उठाएंगे और बेहतर कीमतों, अधिक मुनाफे और उनकी मेहनत के लिए उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करने के प्रयास करेंगे।

कारीगरों से बात करते हुए चड्ढा ने कहा: 'मैं आपकी आवाज बुलंद करूंगा और आपके काम को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करूंगा ताकि आपको अपने हाथों से की गई मेहनत का बेहतर मुआवजा मिल सके।'

चड्ढा ने नागरिकों से इस त्योहारी मौसम में स्थानीय उत्पादों की खरीदारी को प्राथमिकता देने की अपील भी की। उन्होंने बताया कि कैसे कुछ दीये या सजावटी बत्तियां उपभोक्ता के लिए छोटी-मोटी खरीदारी लग सकती हैं लेकिन एक छोटे दुकानदार या कारीगर की आजीविका और खुशी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

लोगों से इस दिवाली को और अधिक समावेशी बनाने का आग्रह करते हुए चड्ढा ने कहा: 'इस दिवाली, अपने स्थानीय बाजारों से थोड़ी ज्यादा खरीदारी करें।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट योजना को 5 साल का विस्तार, केंद्रीय कैबिनेट ने 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की दी मंजूरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। महिलाओं और बच्चों से जुड़े यौन अपराधों के मामलों के शीघ्र निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) योजना को पांच वर्ष के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने इस योजना को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है।



योजना के तहत देशभर में 850 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट संचालित किए जाएंगे, जिनमें विशेष पॉक्सो अदालतें भी शामिल होंगी। वर्तमान में 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 779 एफटीएससी कार्यरत हैं, जिनमें 399 विशेष पॉक्सो अदालतें शामिल हैं। सरकार लंबित दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों की संख्या को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त जिलों को भी इस योजना के दायरे में लाएगी।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट योजना की शुरुआत वर्ष 2019 में दुष्कर्म और बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत दर्ज मामलों के त्वरित निपटारे के उद्देश्य से की गई थी। इसके बाद योजना को दो बार बढ़ाया जा चुका है और अब इसे एक बार फिर पांच वर्षों के लिए विस्तारित किया गया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इन अदालतों का प्रदर्शन लगातार महत्वपूर्ण रहा है। वर्ष 2025 में देशभर में कार्यरत 775 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट, जिनमें 398 विशेष पॉक्सो अदालतें शामिल थीं, ने लगभग 66,500 मामलों का निस्तारण किया। हालांकि, वर्ष के अंत तक करीब 2.45 लाख मामले लंबित रहे। इससे पहले वर्ष 2024 में इन अदालतों ने 85,595 मामलों और वर्ष 2023 में 76,319 मामलों का निपटारा किया था।

एफटीएससी योजना के तहत केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को न्यायिक अधिकारियों एवं सहायक कर्मचारियों के वेतन के साथ-साथ अदालतों के दैनिक संचालन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है। योजना की शुरुआत से अब तक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को 1,259.51 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है।

जेकेएसए ने विदेश मंत्री से बांग्लादेश में मृत पाए गए कश्मीरी छात्र का शव जल्द भारत लाने की मांग की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) ने बुधवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को पत्र लिखकर बांग्लादेश में मृत पाए गए कश्मीरी एमबीबीएस छात्र अदनान अल्ताफ राथर के पार्थिव शरीर को जल्द वापस लाने की मांग की है।



एसोसिएशन ने बताया कि बारामूला जिले के सोपोर (बुनपोरा, डांगरपोरा) निवासी अदनान अहमद राथर बांग्लादेश के कुमिला स्थित ईस्टर्न मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। 2 नवंबर की देर रात 11:36 बजे अदनान भारतीय खाना परोसने वाले एक रेस्तरां में जाने के लिए कॉलेज परिसर से निकले थे, जिसके बाद से वे लापता हो गए। जब उनका पता नहीं चला, तो बुरिचंग पुलिस स्टेशन में एक 'जनरल डायरी' दर्ज कराई गई, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने उनकी तलाश शुरू की।

दो दिनों की खोजबीन के बाद 4 नवंबर की सुबह अदनान का पार्थिव शरीर कॉलेज से 500 गज दूर कुमिला के बुरिचंग उपजिला में ढाका-चटगांव राजमार्ग के पास स्थित एक जलाशय से मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए कुमिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी तक आधिकारिक तौर पर पता नहीं चल पाया है और बांग्लादेशी अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुएहामी ने बताया कि अदनान की मां निहत इस समय बांग्लादेश में हैं। वे अपने परिवार और अपनों के बिना घर से दूर इस गहरे सदमे और नुकसान का सामना कर रही हैं। एसोसिएशन ने यह मामला विदेश मंत्री के समक्ष उठाया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय, ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग और संबंधित बांग्लादेशी अधिकारियों से आग्रह किया है।

सीबीआई की बड़ी कामयाबी, दिल्ली पुलिस का वांछित भगोड़ा सजीर पल्ली मूप्पम को यूएई से भारत लाया गया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के वांछित भगोड़े सजीर पल्ली मूप्पम को यूएई से भारत लाने में बड़ी सफलता हासिल की है।



सीबीआई ने विदेश मंत्रालय (एमईए), गृह मंत्रालय (एमएचए) और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर 'रेड नोटिस' वाले आरोपी सजीर पल्ली मूप्पम को बुधवार को यूएई से भारत वापस लाने में सफलता प्राप्त की है।

इस कार्रवाई को लेकर सीबीआई ने अपने एक आधिकारिक बयान में बताया कि यह आरोपी दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज यौन उत्पीड़न के एक मामले में वांछित था। जांच से पता चला कि आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर 20 वर्षीय एक युवती को जबरन नशीला पदार्थ दे दिया, जिससे वह बेसुध हो गई। उसकी इस असहाय स्थिति का फायदा उठाते हुए आरोपी उसे एक होटल ले गया। पकड़े जाने से बचने के लिए उसने किसी और के पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल करके होटल में चेक-इन किया। इसके बाद उसने पीड़िता के साथ उसकी मर्जी के बिना यौन उत्पीड़न किया, जिसकी पुष्टि बाद में मेडिकल और फोरेंसिक रिपोर्ट से हुई।

इस मामले में संबंधित अदालत के समक्ष एक विस्तृत चार्जशीट पहले ही दाखिल की जा चुकी है। वहीं, दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के माध्यम से इस आरोपी के खिलाफ 'रेड नोटिस' जारी करवाया था।

आईआईटी दिल्ली में मनोवैज्ञानिकों की भर्ती से लेकर शिकायत निवारण तक नई व्यवस्था

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली अब छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर जागरूकता अभियान चलाने के साथ अतिरिक्त मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की भर्ती करेगा। इसके अलावा, छात्रों की शिकायतों के समाधान के लिए एक स्वतंत्र शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। संस्थान ने इन बदलावों को लागू करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना भी तैयार की है। दरअसल, संस्थान के एक छात्र ऋषिकेश कुमार की 22 अगस्त 2026 को हुई दुखद मौत के बाद गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट संस्थान को सौंप दी है।



दिल्ली हाई कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की अध्यक्षता में बनी इस समिति में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक वरिष्ठ विशेषज्ञ और दो छात्र प्रतिनिधि भी शामिल थे। समिति ने अपनी रिपोर्ट को गोपनीय रखने का निर्देश दिया है। इसलिए संस्थान ने रिपोर्ट की विस्तृत जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। हालांकि, आईआईटी दिल्ली के मुताबिक, समिति की सिफारिशों का मुख्य जोर मानसिक स्वास्थ्य सहायता व्यवस्था और संस्थान की संबंधित व्यवस्थाओं में सुधार पर है। समिति की सिफारिशों पर अमल के लिए संस्थान ने एक आंतरिक समिति बनाई थी। इसमें उप निदेशक (संचालन), छात्र मामलों के डीन, अकादमिक डीन, छात्र मामलों की परिषद और छात्र कल्याण बोर्ड के महासचिवों के साथ सहायक कुलसचिव (छात्र मामले) शामिल थे। इस समिति ने बाहरी जांच समिति की प्रत्येक सिफारिश पर विचार किया और उन्हें लागू करने के लिए कार्ययोजना तैयार की।

आईआईटी दिल्ली ने 31 अक्टूबर को बाहरी समिति की सभी सिफारिशों, उन पर प्रस्तावित कार्रवाई और कार्ययोजना की जानकारी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ साझा की।

यूपी में एससी-एसटी आरक्षित विधानसभा सीटों के रोटेशन की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों के रोटेशन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि आरक्षित सीटों के रोटेशन का मुद्दा विधायिका और संसद के विचार करने का विषय है। इसके लिए याचिकाकर्ता को संसद में अपनी आवाज उठानी चाहिए।



मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि यह विरोध प्रदर्शन का अच्छा सीजन है और यह भी एक अच्छा मुद्दा है। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा, ''आप गलत नंबर डायल कर रहे हैं। अपनी आवाज उठाइए कि विधायिका और संसद इस मुद्दे पर फिर से विचार करें।''

यह याचिका उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के कादीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता जगदीश सिंह ने दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि कादीपुर विधानसभा सीट करीब छह दशक से अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा 9(1)(सी) के तहत उन क्षेत्रों में सीटें आरक्षित की जाती हैं, जहां अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आबादी अधिक होती है।

याचिका में कहा गया था कि यदि कोई विधानसभा सीट दशकों तक आरक्षित रहती है तो सामान्य वर्ग के मतदाताओं के पास अपने वर्ग के उम्मीदवार को चुनने का विकल्प नहीं बचता। याचिकाकर्ता ने पंचायत और नगरपालिका चुनावों की तर्ज पर विधानसभा चुनावों में भी आरक्षित सीटों के रोटेशन की व्यवस्था लागू करने की मांग की थी। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी जून में याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 330 और 332 में आरक्षित सीटों की संख्या निर्धारित की गई है, लेकिन सीटों के रोटेशन को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। यह विषय संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि दशकों तक किसी सीट के आरक्षित रहने से मतदाताओं का वोट देने का अधिकार कैसे छिन जाता है? क्या इससे जातिगत विभाजन बढ़ता है? पीठ ने कहा कि इन पहलुओं पर विचार करना संसद का काम है।

दिल्ली पुलिस ने शाहदरा में 312 किलो ग्राम पटाखे जब्त, गैर-कानूनी तरीके से बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के शाहदरा जिले की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बलबीर नगर में गैर-कानूनी पटाखे बेचने के आरोप में एक 26 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 311.97 किलोग्राम पटाखे बरामद हुए हैं।



आरोपी की पहचान दिल्ली के बलबीर नगर में शिव मंदिर के रहने वाले हर्षित मित्तल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, एएनटीएफ को 3 नवंबर को गोपनीय सूचना मिली थी कि मित्तल कथित तौर पर अपने घर से गैर-कानूनी पटाखे बेच रहा है। इसके बाद, एक पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर छापा मारा और उसे पकड़ लिया। तय प्रक्रिया के अनुसार की गई तलाशी के दौरान, पुलिस ने परिसर से 311.97 किलोग्राम गैर-कानूनी पटाखे बरामद किए।

बरामद किए गए पटाखों को जब्त कर लिया गया है और शाहदरा पुलिस स्टेशन में 3 नवंबर, 2026 की तारीख वाली एफआईआर दर्ज की गई। यह केस भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) के सेक्शन 288 और 125 और एक्सप्लोसिव्स एक्ट के सेक्शन 9(बी) के तहत रजिस्टर किया गया है।

पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान मित्तल को गिरफ्तार किया गया और कथित गैरकानूनी बिक्री के सिलसिले में उससे पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कथित तौर पर एक रेस्टोरेंट में काम करता था और रोजाना मजदूरी करके अपना गुजारा करता था। उसने कथित तौर पर पैसे की तंगी से उबरने और जल्दी पैसा कमाने के लिए पटाखों की गैरकानूनी बिक्री शुरू कर दी। इससे पहले, 27 अक्टूबर को, दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में एक रिहायशी बिल्डिंग में चल रही एक कथित गैर-कानूनी पटाखा बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ किया था और तीन लोगों को पकड़ा था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415